FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

of

Hindi

for

Bachelor of Arts (B.A.)
(Semester I-II)

(Under Continuous Evaluation System)

(12+3 System of Education)

Session: 2021-22

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

Bachelor of Arts (Hindi)

Session 2020-21

Programme Specific outcomes-

PSO-1: हिंदी भाषा और साहित्य की व्यापक परिधि में समाहित साहित्य के विविध रूपों,भाषा के अनुप्रयोगात्मक पक्ष की जानकारी प्रदान करना ।

PSO-2: हिंदी साहित्य में पद्य रचना एक प्राचीन विधा है और हिंदी पद्य लेखन अर्थात हिंदी काव्य का एक विकास क्रम है जिसे आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक अनेक चरणों /पड़ावों में विभक्त किया गया है । बी.ए. के विद्यार्थी इसी विकास क्रम के अनुसार हिंदी के क्रमिक विकास को समझने में समर्थ होंगे ।

PSO-3: मध्यकाल को हिंदी साहित्य का 'स्वर्णकाल' कहा गया है । इस युग में कबीर, गुरु नानक,तुलसीदास,सूरदास,मीराबाई ,रहीम,रसखान,गुरु गोबिन्द सिंह,घनानंद,बिहारी जैसे कालजयी कवि हुए । इनके द्वारा रचित साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी साहित्य और भाषा के विकास को क्रमशःसमझने के योग्य होंगे ।

PSO-4: हिंदी साहित्य के इतिहास के विभिन्न युगों -आदिकाल ,भक्तिकाल ,रीतिकाल तथा आधुनिक काल के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्य के समाज -सापेक्ष स्वरूप को समझने में समर्थ होंगे । भिन्न - भिन्न कालों की परिस्थितियां मनुष्य एवं साहित्यकार की मानसिकता को कैसे प्रभावित करती हैं और मनोविज्ञान और प्रभाव साहित्यिक रचनाओं में किस प्रकार प्रतिबिंबित होते हैं,साहित्य के विद्यार्थी इस रोचक जानकारी को वैज्ञानिक और तार्किक दृष्टि से समझेंगे ।

PSO-4: व्याकरण के अंतर्गत स्वर,लिंग ,वचन ,व्यंजन, समास , उपसर्ग ,प्रत्यय , पर्यायवाची, अनेकार्थक ,समानार्थक शब्दों और उनके व्यावहारिक प्रयोग की जानकारी विद्यार्थियों के शब्द ज्ञान को व्यापक और समृद्ध बनायेंगी ।

PSO-5: अलंकार ,छंद ,रस इत्यादि काव्य शास्त्रीय विषयों को पढ़ने से विद्यार्थियों में साहित्य की विशेषताओं को चिन्हित करने की योग्यता का विकास होगा ।

PSO-6: पत्रकारिता ,अनुवाद तथा हिंदी का प्रयोजनमूलक रूप आधुनिक युग में हिंदी को व्यापक और व्यावहारिक जीवन से जोड़ने के लिए विशेष रूप से सहायक हैं । विशेष रूप से अनुवाद भाषागत सीमा से ऊपर उठकर संस्कृति की सांझी विरासत पर आधारित भारत में रचित साहित्य में समग्र भारतीय रूप को स्पष्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है । बी.ए.में इन तीनों नए विषयों के महत्त्व और व्यावहारिक उपयोगिता से परिचय प्राप्त होगा ।

PSO-7: पत्रकारिता एवं पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञान भाषा साहित्य को व्यावहारिक जीवन के निकट लाने के साथ भाषा और साहित्य के विद्यार्थियों को व्यावसायिक दृष्टि से प्रशिक्षित करेगा जिससे उनके लिए रोज़गार की संभावनाएं प्रशस्त होंगी ।

PSO-8: इस पाठ्यक्रम को पढ़ने वाले विद्यार्थी भाषा एवं साहित्य के क्रमिक विकास, उसकी ऐतिहासिक और सामयिक प्रवृतियों का ज्ञान प्राप्त करने के साथ -साथ ही अध्यापन, रचनात्मक लेखन ,अनुवाद ,पत्रकारिता ,मीडिया (प्रिंट ,इलेक्ट्रॉनिक) में अनुवादक,प्रूफरीडर , कंपोजर ,स्क्रिप्ट राइटर , संवाददाता ,संपादक इत्यादि क्षेत्रों एवं पदों पर कार्य करने में सक्षम होंगे ।

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME
Bachelor of Arts in HINDI
Session 2021-22

Semester I								
Course Name	**Course Code**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास	BARM-1268	E	100	60	20	20	3

Semester II								
Course Name	**Course Code**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य	BARM-2268	E	100	60	20	20	3

Bachelor of Arts(Semester-I)

HINDI (Eletive)

Session 2021-22

Course Code: BARM-1268

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास के सभी पड़ावों से परिचय।

CO-2 हिन्दी भाषा की बोलियों के ज्ञान द्वारा भाषा के व्यापक रूप की समझ का विकास|

CO-3 इस पाठ्यक्रम का मुख्य ध्येय प्रारंभिक चरण में ही विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के समग्र इतिहास की जानकारी संक्षेप में समग्र रूप से प्रदान कर हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति उनमें सामान्य समझ और पृष्ठभूमि तैयार करना है |

CO-4 व्याकरण किसी भी भाषा का अनिवार्य अंग है । इसी के माध्यम से भाषा के शुद्ध रूप का परिचय प्राप्त होता है अत: व्याकरण के ज्ञान से विद्यार्थी भाषा के व्याकरणसम्मत रूप का प्रयोग करने के लिए प्रेरित और अभ्यस्त होंगे ।

Bachelor of Arts (SEMESTER-I)

HINDI (Elective)

Session 2021-22

Course Code : BARM-1268

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

Total-100

समय:तीन घंटे CA- 20

TH-60

P-20

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्नपत्र चार इकाईयों में विभाजित है| प्रत्येक इकाई के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम में से दो प्रश्न पूछें जायेंगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा | कुल आठ प्रश्न पूछने हैं | परीक्षक आवश्यकतानुसार प्रश्न के दो, तीन अथवा चार उपभाग कर सकता है | परीक्षार्थी को कुल पांच प्रश्न करने हैं | प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी इकाई से कर सकता है| प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा| व्यावहारिकी में निर्धारित पाठ्यक्रम की अलग से परीक्षा ली जायेगी जिसमें बाह्यपरीक्षक मौखिकी एवं प्रोजेक्ट फाइल निरीक्षण के माध्यम से विद्यार्थी का मूल्यांकन करेंगे | व्यावहारिक परीक्षा के लिए 20 अंक निर्धारित हैं |

इकाई -एक

1. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास (सामान्य परिचय)

क) हिन्दी भाषा का उद्भव

ख) हिन्दी भाषा की बोलियाँ (संक्षिप्त परिचय)

ग) हिन्दी भाषा का विकास : आदिकालीन हिन्दी, मध्कालीन हिन्दी, आधुनिक हिन्दी

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

क) आदिकाल की परिस्थितियां

ख) प्रमुख काव्य प्रवृतियाँ

ग) प्रमुख काव्य धाराएं: रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य (सामान्य परिचय)

इकाई -दो

हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

क) भक्ति आन्दोलन : उद्भव और विकास

ख) भक्तिकाल की परिस्थितियां

ग) भक्तिकाल की प्रमुख काव्य धाराओं - संत काव्य,सूफी काव्य,राम काव्य, कृष्ण काव्य की प्रवृतियों का सामान्य परिचय

इकाई -तीन

हिन्दी साहित्य का रीतिकाल

क) रीतिकालीन परिस्थितियाँ

ख) रीतिकाल की प्रमुख काव्य धाराओं -रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृतियों का सामान्य परिचय

इकाई -चार

हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल

क) मध्यकालीन बोध और आधुनिक बोध

ख) आधुनिक काल की परिस्थितियाँ

ग) आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृतियाँ (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)

घ) आधुनिक हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास

व्यावहारिकी

क) संज्ञा,सर्वनाम,क्रिया, विशेषण, कारक (सामान्य परिचय)

ख) समानार्थक, विपरीतार्थक, पर्यायवाची, अनेकार्थक, शब्द युग्म

ग) शुद्ध श्रवण, शुद्ध उच्चारण, द्रुत वाचन, शुद्ध लेखन

Bachelor of Arts(SEMESTER-II)
HINDI (Elective)
Session 2021-22
Course Code: BARM-2268
प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 इस प्रश्नपत्र का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास के मध्यकालीन (भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन) कवियों के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित होंगे । हिंदी साहित्य के इतिहास के अंतर्गत वे मध्यकालीन काव्य के कवियों एवं उनकी प्रवृतियों का अध्ययन कर साहित्य के इस काल पर अपनी पकड़ मजबूत करेंगे ।

CO-2 मध्यकालीन हिंदी कवियों की रचनाओं के पाठ द्वारा तात्कालीन सामाजिक परिवेश और उसकी सापेक्षता में इन कवियों के योगदान की जानकारी ।

CO-3 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के भाषा शास्त्रीय पक्ष के महत्त्व को समझने के लिए विद्यार्थियों को रस, छंद तथा अलंकारो की जानकारी प्रदान करना |

Bachelor of Arts(SEMESTER-II)

HINDI (Elective)

Session 2021-22

Course Code : BARM-2268

प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य

समय:तीन घंटे

Total-100
CA- 20
TH-60
P-20

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्नपत्र चार इकाईयों में विभाजित है| प्रथम इकाई अनिवार्य है इस भाग में निर्धारित पाठ्यक्रम में दिए गए पाठों में से छ: पद्यांश व्याख्या के लिए दिए जायेंगे इनमे से तीन पद्यांशो की सप्रसंग व्याख्या करना विद्यार्थिओं के लिए अनिवार्य है। इकाई दो, तीन और चार में दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमे से एक-एक का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षक आवश्यकतानुसार प्रश्न के दो, तीन अथवा चार उपभाग कर सकता है | परीक्षार्थी को व्याख्या भाग के अतिरिक्त (इकाई दो, तीन,चार में से) कुल चार प्रश्न करने हैं | प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा|व्यावहारिकी में निर्धारित पाठ्यक्रम की अलग से परीक्षा ली जायेगी जिसमें बाह्यपरीक्षक मौखिकी एवं प्रोजेक्ट फाइल निरीक्षण के माध्यम से विद्यार्थी का मूल्यांकन करेंगे | व्यावहारिक परीक्षा के लिए 20 अंक निर्धारित हैं |

इकाई -एक

आदिकालीन काव्यधारा के प्रतिनिधि कवियों एवं प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय
अमीर खुसरो- पहेलियां, अंतर्लापिका (1 से 10 तक) काव्य मंजूषा, सम्पादक- सुधा जितेन्द्र
विद्यापति- पदावली (पद संख्या 1 से 10 तक) काव्य निधि ,संपादक -हरमोहिंदर सिंह बेदी

इकाई -दो

निर्गुण तथा सगुण काव्यधारा के प्रतिनिधि कवियों एवं प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय
कबीर- कबीर वाणी (दोहा संख्या 1से 10 तक) काव्य उत्कर्ष, सम्पादक- सुधा जितेन्द्र
जायसी-षड्ऋतु वर्णन खंड (पद संख्या 1 से 10 तक) काव्य उत्कर्ष, सम्पादक- सुधा जितेन्द्र

इकाई -तीन

सगुण काव्यधारा के प्रतिनिधि कवियों एवं प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय
सूरदास - पद संख्या (1 से 10 तक), काव्य मंजूषा, सम्पादक-सुधा जितेन्द्र
तुलसीदास- कवितावली पद संख्या (1 से 7 तक) काव्य मंजूषा, सम्पादक-सुधा जितेन्द्र

इकाई -चार

रीतिकालीन प्रमुख काव्यधाराओं (रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध,रीतिमुक्त) के प्रतिनिधि कवियों एवं प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय
देव- प्रार्थना दोहा संख्या (1 से 9 तक) काव्य मंजूषा, सम्पादक-सुधा जितेन्द्र
बिहारी- दोहा संख्या (1 से 10 तक) काव्य मंजूषा, सम्पादक-सुधा जितेन्द्र

व्यावहारिकी-

भाषा कौशल के विभिन्न उपकरण (सामान्य परिचय एवं व्यावहारिक प्रयोग का ज्ञान)

1. रस - नवरसों का परिचय
2. छंद - दोहा,चौपाई, कवित्त, सोरठा, सवैया
3. अलंकार -अनुप्रास, उपमा, रूपक, यमक, श्लेष

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

of

Hindi

for

Bachelor of Arts (B.A.)
(Semester III-IV)

(Under Continuous Evaluation System)

(12+3 System of Education)

Session: 2020-21

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME
Bachelor of Arts in HINDI
Session 2021-22

B.A. (Hindi) Semester III								
Course Name	**Course Code**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
आधुनिक हिन्दी काव्य	BARM-3268	E	100	60	20	20	3

B.A. (Hindi) Semester IV							
Course Name	**Course Code**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य	BARM-4268	E	100	60	20	20	3

Bachelor of Arts (Semester-III)
HINDI (Eletive)

Session 2021-22

Course Code: BARM-3268

आधुनिक हिन्दी काव्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 आधुनिक काल के प्रमुख कवियों की जानकारी ।

CO-2 आधुनिक काल में हिन्दी कविता के विकास के विभिन्न चरणों का परिचय |

CO-3 काव्य प्रवृत्तियों में क्रमशः विकसित हुई विशदत्ता एवं व्यापकता के अनुरूप भाषा एवं शिल्प के क्रमिक परिवर्तित रूप की जानकारी |

CO-4 रचनात्मक लेखन को प्रोत्साहन |

Bachelor of Arts (SEMESTER-III)
HINDI (Elective)

Session 2021-22

Course Code : BARM-3268

आधुनिक हिन्दी काव्य

समय:तीन घंटे

Total-100
CA- 20
TH-60
P-20

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्नपत्र चार इकाईयों में विभाजित है| प्रथम इकाई अनिवार्य है इस भाग में निर्धारित पाठ्यक्रम में दिए गए पाठों में से छ: पद्यांश व्याख्या के लिए दिए जायेंगे इनमे से तीन पद्यांशो की सप्रसंग व्याख्या करना विद्यार्थिओं के लिए अनिवार्य है इकाई दो, तीन और चार में दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमे से एक-एक का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षक आवश्यकतानुसार प्रश्न के दो, तीन अथवा चार उपभाग कर सकता है | परीक्षार्थी को व्याख्या भाग के अतिरिक्त (इकाई दो, तीन,चार में से) कुल चार प्रश्न करने हैं | प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा|व्यावहारिकी में निर्धारित पाठ्यक्रम की अलग से परीक्षा ली जायेगी जिसमें बाह्यपरीक्षक मौखिकी एवं प्रोजेक्ट फाइल निरीक्षण के माध्यम से विद्यार्थी का मूल्यांकन करेंगे | व्यावहारिक परीक्षा के लिए 20 अंक निर्धारित हैं |

अध्ययन के निर्धारित पुस्तक : काव्य पथ

इकाई -एक

1. भारतेंदु एवं द्विवेदी युगीन काव्य की प्रवृतियां (सामान्य परिचय)

(क) भारतेन्दु हरिश्चंद्र --निज भाषा गौरव, आह्वान

(ख) मैथिलीशरण गुप्त--कह मुक्ति भला किस लिए तुझे मैं पाऊं,पुरषार्थ हो पुरषार्थ करो,उठो

इकाई -दो

2. आधुनिक हिन्दी काव्य चेतना के विकास में छायावाद की देन

(क) जयशंकर प्रसाद ----अरुण यह मधुमय देश हमारा, मनु श्रद्धा संवाद

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'---भिक्षुक, जागो फिर एक बार

इकाई -तीन

3. छायावादोत्तर काव्य: प्रगतिवाद, प्रयोगवाद की प्रमुख प्रवृतियां

(क) धर्मवीर भारती ----टूटा पहिया, निर्माण योजना (बांध, कृषि)

(ख) अज्ञेय ------ सांप, यह दीप अकेला

इकाई -चार

4. नई कविता, जनवादी कविता

(क) नागार्जुन----- अकाल और उसके बाद, कालिदास सच-सच बतलाना

(ख) मुक्तिबोध ---भूल ग़लती, अंधेरे में

व्यावहारिकी -

रचनात्मक लेखन -स्वलिखित काव्य रचना अथवा काव्योचारण प्रोत्साहन

काव्य गुण, प्रतीक, बिम्ब, (संक्षिप्त सैद्धान्तिक परिचय एवं व्यावहारिक प्रयोग का ज्ञान)

कम्प्यूटर एवं इंटरनेट (सामान्य जानकारी पर आधारित प्रश्न)

Bachelor of Arts(Semester-IV)
HINDI (Eletive)

Session 2021-22

Course Code: BARM-4268

आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 हिन्दी कथा साहित्य की अवधारणा का परिचय |

CO-2 हिंदी के दो प्रमुख सर्जक साहित्यकारों कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद तथा उल्लेखनीय साहित्यकार श्री धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व एवं उनके रचनात्मक योगदान की जानकारी |

CO-3 हिंदी साहित्य की दो श्रेष्ठ रचनाओं 'गुनाहों का देवता' उपन्यास तथा हिन्दी के प्रख्यात कहानीकारों की कहानियों के माध्यम से समाज की विभिन्न समस्याओं, बदलते हुए सामाजिक परिवेश में मानव मन के अंतर्द्वंद, राजनीतिक एवं प्रशासनिक परिवेश की विसंगतियों के सरस और मार्मिक अध्ययन का अवसर |

CO-4 हिन्दी कथा-लेखन के विषय-वैविध्य के प्रति जागरूक करना |

CO-5 कथा-साहित्य के पठन-पाठन तथा लेखन के प्रति अपेक्षित रुझान को प्रोत्साहन |

CO-6 कथा-लेखन की भाषा एवं शैली के प्रति जागरूकता |

Bachelor of Arts(Semester-IV)

Session-2021-22
Hindi Elective
Course Code – BARM – 4268
आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य

Total-100

समय:तीन घंटे CA- 20

TH-60

P-20

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्नपत्र चार इकाईयों में विभाजित है| प्रथम इकाई अनिवार्य है इस भाग में निर्धारित पाठ्यक्रम में दिए गए पाठों में से छ: पद्यांश व्याख्या के लिए दिए जायेंगे इनमे से तीन पद्यांशो की सप्रसंग व्याख्या करना विद्यार्थिओं के लिए अनिवार्य है इकाई दो, तीन और चार में दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमे से एक-एक का उत्तर देना अनिवार्य है। परीक्षक आवश्यकतानुसार प्रश्न के दो, तीन अथवा चार उपभाग कर सकता है | परीक्षार्थी को व्याख्या भाग के अतिरिक्त (इकाई दो, तीन,चार में से) कुल चार प्रश्न करने हैं | प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा|व्यावहारिकी में निर्धारित पाठ्यक्रम की अलग से परीक्षा ली जायेगी जिसमें बाह्यपरीक्षक मौखिकी एवं प्रोजेक्ट फाइल निरीक्षण के माध्यम से विद्यार्थी का मूल्यांकन करेंगे | व्यावहारिक परीक्षा के लिए 20 अंक निर्धारित हैं |

अध्धयन के लिए निर्धारित उपन्यास

गुनाहों का देवता : धर्मवीर भारती

अध्धयन के लिए निर्धारित कहानियां

मुंशी प्रेमचंद : बूढ़ी काकी, ईदगाह

जैनेन्द्र :खेल ,पाज़ेब

मोहन राकेश : उसकी रोटी, परमात्मा का कुत्ता

उषा प्रियवंदा : वापसी,ज़िन्दगी और गुलाब के फूल

इकाई- एक

1. हिन्दी उपन्यास उद्भव और विकास,
2. उपन्यास:स्वरूप,तत्व,प्रकार
3. धर्मवीर भारती का साहित्यिक परिचय

इकाई – दो

गुनाहों का देवता में प्रेम और नैतिकता

युवा पीढ़ी का अंतर्द्वंद्व

उपन्यास में निरूपित मध्यवर्गीय मानसिकता ,उद्देश्य ,भाषा शैली

इकाई – तीन

1. हिन्दी कहानी उद्भव और विकास
2. कहानी : स्वरूप, तत्व, प्रकार
3. कहानीकारों के साहित्यिक परिचय

इकाई – चार

कहानियों का विषय वस्तु

पात्र एवं चरित्र चित्रण

उद्देश्य एवं भाषा शैली सम्बन्धी प्रश्न

व्यावहारिकी -

यूनिकोड टाइपिंग एवं पी.पी.टी. मेकिंग

भाषण, वार्तालाप, समूह चर्चा

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

of

Hindi

for

Bachelor of Arts (B.A.)
(Semester V-VI)

(Under Continuous Evaluation System)

(12+3 System of Education)

Session: 2020-21

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME
Bachelor of Arts in HINDI
Session 2021-22

<table>
<tr><th colspan="8">B.A. (Hindi) Semester V</th></tr>
<tr><th rowspan="3">Course Name</th><th rowspan="3">Course Code</th><th rowspan="3">Course Type</th><th colspan="4">Marks</th><th rowspan="3">Examination time (in Hours)</th></tr>
<tr><th rowspan="2">Total</th><th colspan="2">Ext.</th><th rowspan="2">CA</th></tr>
<tr><th>L</th><th>P</th></tr>
<tr><td>हिन्दी की आधुनिक गद्य विधाएं</td><td>BARM-5268</td><td>E</td><td>100</td><td>60</td><td>20</td><td>20</td><td>3</td></tr>
<tr><th colspan="8">B.A. (Hindi) Semester VI</th></tr>
<tr><th rowspan="3">Course Name</th><th rowspan="3">Course Code</th><th rowspan="3">Course Type</th><th colspan="4">Marks</th><th rowspan="3">Examination time (in Hours)</th></tr>
<tr><th rowspan="2">Total</th><th colspan="2">Ext.</th><th rowspan="2">CA</th></tr>
<tr><th>L</th><th>P</th></tr>
<tr><td>विशिष्ट रचनाकार एवं रचना :सैद्दांतिक एवं विश्लेष्णात्मक अध्ययन ,अनुवाद बोध</td><td>BARM-6268</td><td>E</td><td>100</td><td>60</td><td>20</td><td>20</td><td>3</td></tr>
</table>

Bachelor of Arts
(Semester-V)

HINDI (Eletive)

Session 2021-22

Course Code: BARM-5268

हिन्दी की आधुनिक गद्य विधाएं

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 हिन्दी की नवीन गद्य विधाओं का परिचय।

CO-2 गद्य विधाओं के तात्विक स्वरूप एवं रचनात्मक प्रक्रिया का ज्ञान |

CO-3 गद्य विधाओं के विषय, भाषा एवं शैलीगत वैविध्य का रसास्वाद |

CO-4 गद्य लेखन के व्यापक क्षेत्र और उसमें निहित सम्भावनाओं के प्रति रूचि एवं सजगता |

Bachelor of Arts(SEMESTER-V)

HINDI (Elective)

Session 2021-22

Course Code : BARM-5268

हिन्दी की आधुनिक गद्य विधाएं

Total-100

समय:तीन घंटे CA- 20

TH-60

P-20

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्नपत्र चार इकाईयों में विभाजित है| प्रथम इकाई अनिवार्य है इस भाग में प्रश्नपत्र में निर्धारित पाठ्यक्रम में दिए गए पाठों में से छः गद्यांश व्याख्या के लिए दिए जायेंगे इनमे से तीन गद्यांशो की सप्रसंग व्याख्या करना विद्यार्थिओं के लिए अनिवार्य है | इकाई दो, तीन और चार में दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमे से एक का उत्तर देना अनिवार्य है | पांचवा प्रश्न विद्यार्थी इकाई दो, तीन अथवा चार में से कर सकता है | परीक्षक आवश्यकतानुसार प्रश्न के दो, तीन अथवा चार उपभाग कर सकता है | परीक्षार्थी को व्याख्या भाग के अतिरिक्त (इकाई दो, तीन,चार में से) कुल चार प्रश्न करने हैं | प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा| व्यावहारिकी में निर्धारित पाठ्यक्रम की अलग से परीक्षा ली जायेगी जिसमें बाह्यपरीक्षक मौखिकी एवं प्रोजेक्ट फाइल निरीक्षण के माध्यम से विद्यार्थी का मूल्यांकन करेंगे | व्यावहारिक परीक्षा के लिए 20 अंक निर्धारित हैं |

अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तक

गद्य विविधा

इकाई -एक

अध्धयन के लिए निर्धारित विधाएं :

1.रेखाचित्र- प्रेमचन्द : एक चित्र (देवेद्र सत्यार्थी)

2.संस्मरण- सर पर कफ़न लपेटे कातिल को ढूंढते हैं (वीरेंन्द्र)

3.यात्रावृत- अमेरिका का जन-जीवन और भारतीय समुदाय (बी.डी.कालिया ‘हमदम’)

इकाई -दो

अध्धयन के लिए निर्धारित विधाएं :
रिपोतार्ज- है कुछ ऐसी बात जो चुप हूँ (उपेन्द्रनाथ 'अश्क')
भेंटवार्ता- प्रोफेसर इन्द्र विद्यावाचस्पति (पद्म सिंह शर्मा 'कमलेश')

आत्मकथा- अहिंसा का तत्त्व (राजेन्द्र प्रसाद)

इकाई -तीन

अध्धयन के लिए निर्धारित विधाएं :
पत्र - मुंशी प्रेमचन्द का पत्र इन्द्रनाथ मदान के नाम
ललित निबंध - आपने मेरी रचना पढ़ी? (हजारी प्रसाद द्विवेदी)

व्यग्य - जी चाहता है आत्महत्या कर लूं (संसार चंद्र)

इकाई -चार

प्रयोजनमूलक हिन्दी :

कार्यालयी पत्रों का सैद्धांतिक परिचय: बैंकिंग व्यवहार सम्बन्धी पत्र, शिकायत सम्बन्धी पत्र, नौकरी हेतु आवेदन-पत्र, कार्यालयी पत्रों के प्रकार |

पत्रकारिता : अर्थ, उपयोगिता, प्रकार

व्यावहारिकी :

सामाजिक एवं पर्यावरणीय परिवेश एवं समस्याओं के प्रति साहित्य के विद्यार्थियों की संवेदनशीलता और जागरूकता को बढ़ाने के लिए लघु परियोजना कार्य { सर्वेक्षण,तथ्य संग्रह,तुलनात्मक प्रविधि के सहयोग से)

Bachelor of Arts(Semester-VI)
HINDI (Eletive)

Session 2021-22

Course Code: BARM-6268

विशिष्ट रचनाकार एवं रचना :सैद्दांतिक एवं विश्लेष्णात्मक अध्ययन ,अनुवाद बोध

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 हिंदी के मूर्धन्य कवि ‘दिनकर’और उनके विख्यात खंडकाव्य रश्मिरथी के अध्ययन का रसास्वादन

CO-2 भारतीय सांस्कृतिक चेतना जैसे दान,दया,धर्म,धैर्य इत्यादि के महत्त्व का ज्ञान

CO-3 रश्मिरथी के मूल मंतव्य का वर्तमान परिधि में मूल्यांकन

CO-4 व्यावहारिक शिक्षण में अनुवाद के महत्वपूर्ण योगदान का ज्ञान

Bachelor of Arts(SEMESTER-VI)
HINDI (Elective)

Session 2021-22

Course Code : BARM-6268

विशिष्ट रचनाकार एवं रचना :सैद्दांतिक एवं विश्लेष्णात्मक अध्ययन ,अनुवाद बोध

Total-100
समय:तीन घंटे CA- 20
TH-60
P-20

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्नपत्र चार इकाईयों में विभाजित है| प्रथम इकाई अनिवार्य है इस भाग में पाठ्यक्रम में निर्धारित खंडकाव्य में से छ: पद्यांश व्याख्या के लिए दिए जायेंगे इनमे से तीन पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करना अनिवार्य है | इकाई दो, तीन और चार में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमे से एक-एक का उत्तर देना अनिवार्य है | पांचवा प्रश्न विद्यार्थी इकाई दो, तीन अथवा चार में से कर सकता है | परीक्षक आवश्यकतानुसार प्रश्न के दो, तीन अथवा चार उपभाग कर सकता है | परीक्षार्थी को व्याख्या भाग के अतिरिक्त (इकाई दो, तीन,चार में से) कुल चार प्रश्न करने हैं | प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा| व्यावहारिकी में निर्धारित पाठ्यक्रम की अलग से परीक्षा ली जायेगी जिसमें बाह्यपरीक्षक मौखिकी एवं प्रोजेक्ट फाइल निरीक्षण के माध्यम से विद्यार्थी का मूल्यांकन करेंगे | व्यावहारिक परीक्षा के लिए 20 अंक निर्धारित हैं |

व्याख्या के लिए निर्धारित कृति
दिनकर कृत खंडकाव्य : रश्मिरथी

इकाई -एक

व्याख्या भाग -सर्ग एक ,दो और तीन
रामधारी सिंह दिनकर का साहित्यिक परिचय
कर्ण का चरित्र चित्रण

इकाई -दो

व्याख्या भाग -सर्ग चार ,पांच और छह
रश्मिरथी नामकरण की सार्थकता
रश्मिरथी में युद्ध और धर्म सम्बन्धी चिंतन

इकाई -तीन

व्याख्या भाग - सर्ग सात
रश्मिरथी में भाग्य और पौरुष सम्बन्धी विचार
रश्मिरथी में वर्तमान जीवन की अभिव्यक्ति

इकाई -चार

खंडकाव्य के तत्वों के आधार पर 'रश्मिरथी' का मूल्यांकन
प्रमुख पात्रों - कुंती, भीष्म पितामह ,दुर्योधन का चरित्र चित्रण

व्यावहारिकी :

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी
विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन
प्रयोगात्मक कार्य

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

Of

Hindi

For

Bachelor of Arts (B.A.)

(HONS)

(Semester III-IV)

(Under Continuous Evaluation System)

(12+3 System of Education)

Session: 2021-22

The Heritage Institution

KANYA MAHAVIDYALAYA

JALANDHAR

(Autonomous)

Bachelor of Arts (Hindi)
(HONS)

Session 2021-22

Programme Specific outcomes-

PSO-1: हिंदी कविता के आधुनिक युग में विभिन्न काव्य-प्रवृतियाँ दृष्टिगोचर होती हैं । विशेष रूप से स्वतंत्रता के पश्चात् सन 1950 के बाद का समय नयी कविता ,समकालीन कविता, जनवादी कविता का दौर है । तात्कालीन परिस्थितियों की पीठिका पर रचित यह कविता यथार्थ की ,मोहभंग की , नए युगीन बोध की कविता है । बी.ए.आनर्ज़ के विद्यार्थी इस परिवर्तन को काव्य साहित्य के माध्यम से समझेंगे ।

PSO-2: गद्यकाल के नाम से अभिहित आधुनिक युग में गद्य की अनेक विधायों का विकास हुआ । इनमें निबन्ध और संस्मरण साहित्य प्रमुख हैं । हिंदी के दो प्रतिनिधि निबन्ध एवं संस्मरण लेखकों महादेवी वर्मा तथा अध्यापक पूर्णसिंह के संस्मरण और निबन्ध साहित्य विद्यार्थियों को इन विधायों के तात्विक स्वरूप एवं इनकी प्रवृत्तियों,इन विधायों के कलात्मक सौन्दर्य को व्यावहारिक रूप से समझने में सहायक होंगे ।

PSO-3: मध्यकालीन हिंदी कविता में ब्रजभाषा तथा अवधी भाषा के प्रमुख कवियों तुलसी ओर रसखान के काव्य का पाठ हिंदी की उपर्युक्त दोनों मुख्य उपबोलियों में रचित हिंदी कविता के भावात्मक एवं कलात्मक सौन्दर्य का ज्ञान करवाने के साथ हिंदी भाषा के विकास क्रम के प्रति विद्यार्थियों को सजग तथा सचेत करेगा ।

PSO-4: काव्य सिद्धांतों (अलंकार ,रीति ,वक्रोक्ति ,औचित्य ,ध्वनि ,रस) शब्द शक्तियों, बिम्ब और प्रतीक इत्यादि काव्यशास्त्रीय अवधारणाओं की जानकारी जिससे विद्यार्थी प्राचीन और अर्वाचीन साहित्य में निर्माण के महत्वपूर्ण घटकों की पहचान द्वारा साहित्य के सौन्दर्य को आलोचनात्मक दृष्टि से समझने में सक्षम होंगे ।

PSO-5: राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा के रूप में हिंदी की समस्याओं एवं सीमाओं का ज्ञान ।

PSO-6: पत्र लेखन एवं हिंदी के कार्यालयी स्वरूप से सम्बंधित तकनीकी शब्दावली का ज्ञान ।

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME

Bachelor of Arts in HINDI(HONS)
Session 2021-22

<table>
<tr><th colspan="9">B.A. Hindi(HONS) Semester III</th></tr>
<tr><th rowspan="3">Course Name</th><th rowspan="3">Course Code</th><th rowspan="3">Course Type</th><th colspan="5">Marks</th><th rowspan="3">Examination time (in Hours)</th></tr>
<tr><th rowspan="2">Total</th><th colspan="2">Ext.</th><th rowspan="2">CA</th></tr>
<tr><th>L</th><th>P</th></tr>
<tr><td>आधुनिक काव्य तथा काव्य नाटक</td><td>BARL-3569</td><td>E</td><td>100</td><td>80</td><td>-</td><td>20</td><td>3</td></tr>
<tr><th colspan="9">B.A. Hindi(HONS) Semester IV</th></tr>
<tr><th rowspan="3">Course Name</th><th rowspan="3">Course Code</th><th rowspan="3">Course Type</th><th colspan="5">Marks</th><th rowspan="3">Examination time (in Hours)</th></tr>
<tr><th rowspan="2">Total</th><th colspan="2">Ext.</th><th rowspan="2">CA</th></tr>
<tr><th>L</th><th>P</th></tr>
<tr><td>गद्य साहित्य:निबंध,संस्मरण तथा अनुवाद</td><td>BARL-4569</td><td>E</td><td>100</td><td>80</td><td>-</td><td>20</td><td>3</td></tr>
</table>

Bachelor of Arts(Semester-III)
HINDI (HONS)

Session 2021-22

Course Code: BARL-3569

आधुनिक काव्य तथा काव्य नाटक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: आधुनिक हिंदी काव्य की विकास यात्रा में छायावादोत्तर काल के दो प्रमुख कवियों श्री सर्वेश्वर दयाल सक्सेना तथा श्री धर्मवीर भारती के रचनात्मक योगदान का परिचय।

CO-2: आधुनिक हिंदी काव्य की विषयगत प्रवृत्तियों एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य की जानकारी

|**CO-3**: खंड काव्य के स्वरूप को समझने के साथ विद्यार्थी 'अन्धायुग' की मूल संवेदना और उसमें उठाये गए विषयों की आधुनिक जीवन में प्रासंगिकता और महत्त्व से अवगत होंगें।

Bachelor of Arts(Semester-III)
HINDI (HONS)

Session 2021-22

Course Code: BARL-3569

आधुनिक काव्य तथा काव्य नाटक

Total-100

CA- 20

TH-80

समय: तीन घण्टे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। पहला भाग सप्रसंग व्याख्या का होगा। व्याख्या भाग करना अनिवार्य है। परीक्षक द्वारा छह व्याख्याएं पूछी जाएँगी जिनमें से विद्यार्थी को कोई चार व्याख्याएं करनी होंगी। परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो–दो प्रश्न पूछे जाएगें। कुल आठ प्रश्न पूछने हैं। परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो, तीन अथवा चार उपभाग कर सकता है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्न करने है। प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 16अंक का होगा।

इकाई-एक

व्याख्या के लिये निर्धारित परिक्षेत्र

1.सर्वेश्वर दयाल सक्सेना :प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली |
अक्सर एक व्यथा, एक सूनी नाव ,स्मृति ,रसोई ,पिछड़ा आदमी ,अपनी बिटिया के लिए कविताएँ,काठमंडू में भोर , तुम्हारे लिए, लू शुन और चिड़िया , धीरे-धीरे, अंत में |
2.अंधायुग, धर्मवीर भारती , किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली |

इकाई- दो

1. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के काव्य की साहित्यिक विशेषताएँ

2.सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के काव्य में मध्यवर्गीय चेतना
3.नई कविता के सन्दर्भ में सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का काव्य
4.सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्य भाषा

इकाई-तीन

1.अंधायुग में वर्णित युद्ध की समस्याएं
2.अंधायुग : शीर्षक की सार्थकता
3.अंधायुग की मूल संवेदना
4.अंधायुग की भाषा सरंचना

इकाई- चार

1.सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : व्यक्तित्व और कृतित्त्व
2.धर्मवीर भारती : व्यक्तित्व और कृतित्त्व

Bachelor of Arts(Semester-IV)
HINDI (HONS)

Session 2021-22

Course Code: BARL-4569

गद्य साहित्य:निबंध,संस्मरण तथा अनुवाद

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 निबंध एवं संस्मरण साहित्य के सैद्धाँतिक पक्ष के अंतर्गत दोनों विधाओं के स्वरूप,तत्व एवं प्रकार की जानकारी

CO-2 हिन्दी साहित्य के निबन्ध और संस्मरण साहित्य को अपने योगदान से समृद्ध करने वाले दो प्रमुख सर्जक साहित्यकारों प्रो० अध्यापक पूर्ण सिंह एवं महादेवी वर्मा के व्यक्तितत्व एवं उनके साहित्यक योगदान का परिचय |

CO-3 निबंध की लेखन,शैली,निबंध एवं संस्मरण की लेखन शैली, विषय का प्रस्तुतीकरण, भाषा एवं अभिव्यक्ति इत्यादि साहित्यिक विशेषताओं को समझने का अवसर प्राप्त करेंगें |

CO-4 उल्लेखनीय साहित्यकारों के साहित्य का पठन विद्यार्थियों को इन विधाओं में लिखने के लिए प्रेरित करेगा और इनका व्यवाहारिक पाठ इन विधाओं में विषय प्रतिपादन के ढंग एवं इनके सामर्थ्य को समझने में सहायक होगा |

Bachelor of Arts(Semester-IV)
HINDI (HONS)

Session 2021-22

Course Code: BARL-4569

गद्य साहित्य:निबंध,संस्मरण तथा अनुवाद

Total-100

CA- 20

TH-80

समय: तीन घण्टे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। पहला भाग सप्रसंग व्याख्या का होगा। व्याख्या भाग करना अनिवार्य है । परीक्षक द्वारा छह व्याख्याएं पूछी जाएँगी जिनमें से विद्यार्थी को कोई चार व्याख्याएं करनी होंगी।परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो–दो प्रश्न पूछे जाएगें। कुल आठ प्रश्न पूछने हैं। परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो, तीन अथवा चार उपभाग कर सकता है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्न करने है। प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 16अंक का होगा।

इकाई-एक

व्याख्या के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :

अध्यापक पूर्ण सिंह के निबंध ,सम्पादक प्रो॰ हरमहेन्द्र सिंह बेदी एवं डा॰ सुधा जितेन्द्र,निर्मल पब्लिकेशनस ,दिल्ली |

महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य :सम्पादक –प्रो॰ डा॰ सुधा जितेन्द्र , पब्लिकेशनस ब्यूरो, पंजाबी यूनिवर्सिटी,पटियाला |

केवल पांच संस्मरण – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला,सुभद्राकुमारी चौहान,चीनी फ़ेरी वाला, भक्तिन,घीसा |

इकाई- दो

निबंधकार अध्यापक पूर्ण सिंह का साहित्यिक परिचय, निबंध विधा के सन्दर्भ सम्बन्धी सामान्य प्रश्न तथा निबन्धों से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न |

इकाई- तीन

महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय,विशेष विधाओं सम्बन्धी आलोचनात्मक प्रश्न |

इकाई- चार

अनुवाद शब्दावली के लिए तत्सम्बन्धी पुस्तकें : पैनिशिया तथा बीकन निर्धारित है | लेखक एम. एम. लाल सूद ,दीपक पब्लिशर्स जालन्धर |

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME

Bachelor of Arts in HINDI(HONS)
Session 2021-22

B.A. Hindi(HONS) Semester V							
Course Name	**Course Code**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
आधुनिक हिन्दी नाटक एवं उपन्यास	BARL-5569	E	100	80	-	20	3

B.A. Hindi(HONS) Semester VI							
Course Name	**Course Code**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
भारतीय काव्य शास्त्र एवं आधुनिक आलोचना की प्रवृतियां	BARL-6569	E	100	80	-	20	3

Bachelor of Arts(Semester-V)
HINDI (HONS)

Session 2021-22

Course Code: BARL-5569

आधुनिक हिन्दी नाटक एवं उपन्यास

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 हिंदी रंगमंच और नाटक के विकास क्रम का परिचय

CO-2 हिंदी के प्रख्यात नाटककार डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचय

CO-3 समकालीन सामाजिक यथार्थ और मानव- मूल्यों के प्रतिपादन में विधा के रूप में नाटक के सामर्थ्य की जानकारी

CO-4 मुंशी प्रेमचंद की औपन्यासिक शैली से परिचय

CO-5 मध्यवर्गीय सामाजिक जीवन की विसंगतियों के निरूपण में प्रेमचंद की सिद्धहस्तता एवं लेखकीय चेतना का ज्ञान

CO-6 मानवीय मन के अंतर्द्वंद तथा वैयक्तिक और सामाजिक मूल्यों के संघर्ष के प्रति अपेक्षित दृष्टिकोण का भाव

Bachelor of Arts(Semester-V)
HINDI (HONS)

Session 2021-22

Course Code: BARL-5569

आधुनिक हिन्दी नाटक एवं उपन्यास

Total-100

CA- 20

TH-80

समय: तीन घण्टे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। पहला भाग सप्रसंग व्याख्या का होगा।व्याख्या भाग करना अनिवार्य है । परीक्षक द्वारा छह व्याख्याएं पूछी जाएँगी जिनमें से विद्यार्थी को कोई चार व्याख्याएं करनी होंगी। परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो–दो प्रश्न पूछे जाएगें। कुल आठ प्रश्न पूछने हैं। परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो, तीन अथवा चार उपभाग कर सकता है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्न करने है। प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 16अंक का होगा।

मिस्टर अभिमन्यु – लक्ष्मीनारायण लाल (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली)
गबन – मुंशी प्रेमचंद (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

इकाई-एक

हिंदी नाटक : उदभव और विकास, स्वरुप, तत्व और प्रकार

इकाई- दो

नाटक की विषय – वस्तु एवं प्रतिपादय,पात्र एवं चरित्र -चित्रण ,वर्तमान समय की चुनौतियाँ और युवा वर्ग ,सामाजिक और राजनितिक परिवेश की विसंगतियां ,उद्देश्य एवं भाषा शैली से सम्बधित प्रश्न

इकाई- तीन

हिंदी उपन्यास : उदभव और विकास,स्वरुप, तत्व और प्रकार

इकाई- चार

मुंशी प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय और उपन्यास की विषय वस्तु ,पात्र एवं चरित्र चित्रण ,मध्यवर्गीय समाज में प्रदर्शन की प्रवृत्ति एवं अन्य सामाजिक समस्याओं ,उद्देश्य ,भाषा शैली पर आधारित सामान्य प्रश्न

Bachelor of Arts(Semester-VI)
HINDI (HONS)

Session 2021-22

Course Code: BARL-6569

भारतीय काव्य शास्त्र एवं आधुनिक आलोचना की प्रवृतियां

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 भारतीय काव्यशास्त्र की अवधारणा की जानकारी |

CO-2 आधुनिक आलोचना के स्वरूप और प्रकारों के प्रारम्भिक परिचय से आलोचनात्मक दृष्टि का विकास |

CO-3 भाषा की सामर्थ्य को बढ़ाने में प्रतीक और बिम्ब के प्रयोग की आवश्यकता एवं इनके वैविध्य से परिचय |

CO-4 भाषा के रूप में हिन्दी की व्यापकता, इसके सामर्थ्य के साथ-साथ हिन्दी की चुनौतियों और समस्याओं का ज्ञान |

Bachelor of Arts(Semester-VI)
HINDI (HONS)

Session 2021-22

Course Code: BARL-6569

भारतीय काव्य शास्त्र एवं आधुनिक आलोचना की प्रवृतियां

Total-100

CA- 20

TH-80

समय: तीन घण्टे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो–दो प्रश्न पूछे जाएगें। कुल आठ प्रश्न पूछने हैं। परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो, तीन अथवा चार उपभाग कर सकता है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्न करने है। प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 16अंक का होगा।

इकाई-एक

भारतीय काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय

भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत-अलंकार, रीति, ध्वनि और रस का संक्षिप्त परिचय |

इकाई- दो

आधुनिक हिन्दी समीक्षा - अर्थ, स्वरूप, प्रमुख प्रकार

इकाई-तीन

प्रतीक- स्वरूप, भेद

बिम्ब –स्वरूप, भेद

इकाई- चार

राष्ट्रभाषा/सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी - विशेषताएं और समस्याएं

राजभाषा के रूप में हिन्दी की चुनौतियां और समाधान

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

of

M.A.Hindi

(Semester I-II)

(Under Continuous Evaluation System)

Session: 2021-22

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR

(Autonomous)

Masters of Arts (Hindi)
Session 2021-22

Programme Specific outcomes-

PSO-1: भाषा उच्चारण में निपुणता ,व्याकरण सम्बन्धी अवधारणा की स्पष्टता ।

PSO-2: प्राचीन एवं नवीन हिन्दी कवियों की देन के गहन ज्ञान की प्राप्ति ।

PSO-3: हिन्दी के भाषिक और साहित्यिक रूप के साथ साथ उसके प्रयोजनमूलक रूपों - बैंक,रेलवे ,समाचार पत्र ,रेडियो ,टेलीविज़न ,मीडिया ,अनुवाद की जानकारी एवं रोज़गार के अवसर ।

PSO-4: भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की अवधारणा, विभिन्न समीक्षा पद्दतियों का सम्यक ज्ञान । रस,शब्द शक्तियों और विविध वादों का गहन अध्ययन ।

PSO-5: भाषा और भाषा विज्ञान,समाज विज्ञान ,मनोभाषा विज्ञान ,शैलिविज्ञान ,रूपांतरण प्रजनक ,व्यवस्था परक ,प्रकार्य परक व्याकरण की समस्त जानकारी एवं भाषा वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में साहित्य का विश्लेषण करने का सम्पूर्ण ज्ञान ।

PSO-6: देवनागरी लिपि का ज्ञान ,समास,सन्धि,उपसर्ग , प्रत्यय ,लिंग,वचन, कारक की व्यावहारिक जानकारी ।

PSO-7: कोष निर्माण के सिद्दांत ,प्रक्रिया ,विभिन्न कोश ग्रन्थ और विभिन्न कोशकारों का सामान्य परिचय एवं व्यावहारिक ज्ञान में दक्षता ।

PSO-8: हिन्दी की प्रयोजन मूलकता को सिद्ध करती पत्रकारिता के क्षेत्र की सैद्दांतिक और व्यावहारिक जानकारी ,सम्पादन ,प्रूफ पठन,समाचार लेखन व वाचन ,उद्घोषणा:लेखन व वाचन, संवाद ,विज्ञापन,फीचर ,रिपोर्ताज ,पटकथा , डाक्यूमेंट्री ,नाटक लेखन का व्यावहारिक ज्ञान ।

PSO-9: राजभाषा शिक्षण के अंतर्गत राजभाषा के अधिनियम ,राष्ट्रपति के आदेशों संवैधानिक नियमों की सम्पूर्ण जानकारी और कार्यालयी टिप्पण ,प्रारूपण ,संक्षेपण ,विस्तारण, पत्र लेखन एवं पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्दांत की विस्तृत जानकारी

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATIONS OF

TWO YEAR DEGREE PROGRAMME

Masters of Arts in Hindi

Semester I

Session 2021-22

M.A. (Hindi) Semester I							
Course Code	**Course Name**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
MHIL-1261	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	C	80	64	-	16	3
MHIL -1262	हिन्दी साहित्य का इतिहास (खंड- एक)	C	80	64	-	16	3
MHIL -1263	भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन	C	80	64	-	16	3
MHIL - 1264	प्रयोजनमूलक हिन्दी	C	80	64	-	16	3
MHIL -1265(Opt---) (विद्यार्थी अग्रलिखित विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)	हिन्दी नाटक और रंगमंच (Opt-i)	O	80	64	-	16	3
	कोश विज्ञान (Opt-ii)	O	80	64	-	16	3
	पंजाब का मध्यकालीन हिन्दी साहित्य (Opt-iii)	O	80	64	-	16	3
Total			**400**				

C-Compulsory
O-Optional

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATIONS OF TWO YEAR DEGREE PROGRAMME

MASTERS OF ARTS (HINDI)

Semester II

Session 2021-22

M.A. (Hindi) Semester II							
Course Code	**Course Name**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
MHIL -2261	मध्यकालीन हिन्दी काव्य	C	80	64	-	16	3
MHIL -2262	हिन्दी साहित्य का इतिहास (खंड- दो)	C	80	64	-	16	3
MHIL -2263	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	C	80	64	-	16	3
MHIL - 2264	मीडिया लेखन	C	80	64	-	16	3
MHIL -2265(Opt---) (विद्यार्थी अग्रलिखित विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)	नाटककार मोहन राकेश (Opt-i)	O	80	64	-	16	3
	भारतीय साहित्य (Opt-ii)	O	80	64	-	16	3
	पंजाब का आधुनिक हिन्दी साहित्य (Opt-iii)	O	80	64	-	16	3
Total			**400**				

C-Compulsory
O-Optional

Scheme of Course
Session 2021-22
M.A. (Hindi)

SEMESTER-I

MHIL 1261 प्रश्नपत्र–एक प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

MHIL 1262 प्रश्नपत्र –दो हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड–एक)

MHIL 1263 प्रश्नपत्र –तीन भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

MHIL 1264 प्रश्नपत्र –चार प्रयोजनमूलक हिन्दी

MHIL 1265 प्रश्नपत्र –पाँच वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प–एक, हिन्दी नाटक और रंगमंच

अथवा

विकल्प दो: कोश विज्ञान

अथवा

विकल्प तीन: पंजाब का मध्यकालीन हिन्दी साहित्य

SEMESTER-II

MHIL 2261 प्रश्नपत्र – छह मध्यकालीन हिन्दी काव्य

MHIL 2262 प्रश्नपत्र –सात हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड दो)

MHIL 2263 प्रश्नपत्र –आठ पाश्चात्य–काव्यशास्त्र

MHIL 2264 प्रश्नपत्र –नौ मीडिया – लेखन

MHIL 2265 प्रश्नपत्र –दस वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प–एक: नाटककार मोहन राकेश

अथवा

विकल्प–दो: भारतीय साहित्य

अथवा

विकल्प: तीन (पंजाब का आधुनिक हिन्दी साहित्य)

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2021-22

Course Code: MHIL - 1261

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1: हिन्दी के प्राचीन कवियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा उनका हिंदी साहित्य में योगदान सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त कर सकते है |

CO-2: हिन्दी के मध्यकालीन कवियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा भक्त कवियों का हिन्दी साहित्य में योगदान सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त कर सकते है |

CO-3: प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों के काव्य में आधुनिकता बोध के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

CO-4: प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों की सांस्कृतिक चेतना सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं |

CO-5:सूफी काव्य परम्परा की विशेषताओं और महत्व के सम्बन्ध में जायसी के काव्य के महत्व के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)
Session 2021 -22

Course Code: MHIL - 1261

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है । प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है । इसमें चार- चार अंकों के सप्रसंग व्याख्या के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा । भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा ।

इकाई -एक

व्याख्या

निर्धारित कवि एवं पाठ्य पुस्तक:

पाठ्य पुस्तक - 'काव्य मंजूषा' सम्पादक प्रो॰ सुधा जितेन्द्र ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली ,2014

व्याख्या के लिए निर्धारित कवि –

1.अमीर खुसरो
2.कबीर
3.जायसी

इकाई -दो

विवेचन हेतु निर्धारित परिक्षेत्र :-

अमीर खुसरो :

- अमीर खुसरो और उनका काव्य: परिचय तथा विशेषताएं
- हिंदी के आदि कवि :अमीर खुसरो
- अमीर खुसरो के काव्य की मूल संवेदना
- अमीर खुसरो के काव्य की भाषा

इकाई -तीन

विवेचन हेतु निर्धारित परिक्षेत्र :-

कबीर:

– कबीर और उनका काव्य परिचय तथा विशेषताएं

– कबीर काव्य का दार्शनिक पक्ष

- क्रांतिकारी कवि कबीर

- कबीर का सामाजिक दृष्टिकोण

- कबीर का रहस्यवाद

- कबीर काव्य का कलात्मक पक्ष

- कबीर की भक्ति भावना

इकाई -चार

विवेचन हेतु निर्धारित परिक्षेत्र :-

जायसी:

– जायसी और उनका काव्य: परिचय तथा विशेषताएं

– सूफी काव्य परम्परा में जायसी का स्थान

– जायसी की प्रबन्ध योजना , पद्मावत का महाकाव्यत्व

– जायसी के काव्य में विरह वर्णन : नागमती का विशेष सन्दर्भ

– जायसी के काव्य में प्रेमाभिव्यंजना एवं रहस्य

– जायसी के काव्य में लोक संस्कृति

– पद्मावत का काव्य सौष्ठव

सहायक पुस्तकें:

1.आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |

2. गोपीचंद नारंग, अमीर खुसरो का हिंदी काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

3. रामनिवास चंडक, कबीर :जीवन और दर्शन, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |

4. परशुराम चतुर्वेदी, कबीर साहित्य चिंतन, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद|

5. नज़ीर मुहम्मद, कबीर के काव्य रूप, भारत प्रकाशन, अलीगढ |

6. रघुवंश, कबीर एक नई दृष्टि, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद|

7. रामकुमार वर्मा, कबीर एक अनुशीलन, साहित्य भवन, इलाहाबाद|

8. मनमोहन गौतम, पद्मावत का काव्य वैभव, मैकमिलन कंपनी, दिल्ली |

9. रामपूजन तिवारी, जायसी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |

10. शिवसहाय पाठक, हिंदी सूफी काव्य का समग्र अनुशीलन, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली |

11. जयदेव , सूफी महाकवि जायसी, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ |

12. डॉ.हरमहेन्द्र सिंह बेदी, कालजयी कबीर, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-1262

हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड–एक)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इतिहास की दृष्टि से साहित्यिक स्तर की रचनाओं का मूल्यांकन करना साहित्य का इतिहास कहलाता है। यदि आधुनिक साहित्य के स्वरूप को जानना है तो यह अत्यंत आवश्यक है कि उसके विगत का विवरण भी जाना जाए।

CO-2: विगत का विवरण एवं बोध जिसने अतीत के जीवन को प्रभावित किया हो और भविष्य के लिए भी संकेत हो, साहित्य का इतिहास कहलाता है।

CO-3: अत: वर्तमान भाषा और साहित्य के विकास को जानने के लिए यह प्रश्न पत्र अनिवार्य है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)
Session 2021-22

Course Code: MHIL-1262

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड- एक)

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है| प्रथम भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/ दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों/पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई - एक

इतिहास दर्शन:
-साहित्येतिहास, लेखन : अर्थ एवं अभिप्राय |
-हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा |
-हिंदी साहित्य का इतिहास: काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण |

इकाई - दो

आदिकाल:
-आदिकाल की पृष्ठभूमि, नामकरण की समस्या, विभिन्न परिस्थितियां,
साहित्यिक प्रवृतियां
सिद्ध, नाथ, जैन साहित्य (सामान्य परिचय)
रासो काव्य , प्रमुख प्रवृत्तियां
लौकिक काव्य धारा: परिचय एवं प्रवृत्तियां
प्रमुख कवि (चंदवरदाई, जगनिक, अमीर खुसरो, विद्यापति) (व्यक्तित्व एवं कृतित्व परिचय)

इकाई-तीन

-पूर्व भक्तिकाल: पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियां
- निर्गुण एवं सगुण काव्यधाराएँ: प्रमुख विशेषताएं |
- प्रमुख एवं गौण कवि: (कबीर, रविदास, दादू, सुंदरदास, कुतुबन, मंझन, जायसी, तुलसीदास, सूरदास, नंददास)
- भक्तेतर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य |

इकाई- चार

रीतिकाल: नामकरण और काल सीमा निर्धारण
- उत्तरमध्यकाल पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियां
- रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराओं का परिचय एवं प्रवृत्तियां
- प्रमुख एवं गौण कवि: (केशव, बिहारी, देव, मतिराम, घनानंद, बोधा, आलम, ठाकुर, गुरु गोबिंद सिंह, रज्जबदास)

सहायक पुस्तकें:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आ.रामचंद्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, संपादक डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
3. रीतिकाव्य की भूमिका: डॉ. नगेन्द्र
4. साहित्य इतिहास का दर्शन, आचार्य नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्र परिषद्, पटना |
5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. रामकुमार वर्मा, रामनारायण बेणी माधव, इलाहाबाद |
6. हिन्दी साहित्य का अतीत, भाग-1,2,3 प. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, ब्रह्मनाल, वाराणसी |
7. हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास (भाग-1 से 16) , नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास, हुकुमचंद राजपाल, विकास पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
9. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि: मैनेजर पांडेय
11. मध्यकालीन बांध का स्वरूप: हजारी प्रसाद द्विवेदी |
12. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग 1,2): विश्वनाथ प्रसाद मिश्र |
13. हिन्दी साहित्य का इतिहास: पूरनचंद टंडन, विनीता कुमारी |
14. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि: राममूर्ति त्रिपाठी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-1263

भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्नपत्र में दिए गए पाठ्यक्रम का उद्देश्य साहित्य सृजन के मूल सिद्धांतों के संदर्भ में प्राचीन काव्यशास्त्रीय आचार्यों की स्थापनाओं एवं उनके द्वारा दिए गए सिद्धांतों से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।

CO-2: यद्यपि वर्तमान समय में साहित्य के स्वरूप उसके सृजन सिद्धांतों, भाषा एवं शैली में परिवर्तन के परिणामस्वरुप आलोचना के मानदण्डों और समीक्षा पद्धतियों में बदलाव आ चुका है किन्तु विद्यार्थियों को साहित्य सृजन एवं समीक्षा के क्रमिक विकास की जानकारी देना भी अत्यावश्यक है।

CO-3: भारतीय काव्यशास्त्र में हम साहित्य सृजन एवं समीक्षा के **सम्बन्ध** में विद्वान आचार्यों के द्वारा दिए गए मतों एवं सिद्धांतों के क्रमिक विकास, साहित्य पर उनके प्रभाव और उनके योगदान तथा उनकी सीमाओं की जानकारी प्राप्त करते हैं।

CO-4: साहित्य सृजन और समीक्षा में नए रुझान और परिवर्तनों के प्रति रुझान उत्पन्न करते हुए साहित्य की नई भाव-भूमि से जोड़ने के लिए पाठ्यक्रम में विभिन्न विचारधाराओं पर आधारित आधुनिक समीक्षा पद्धतियों को भी सज़िमलित किया गया है।

CO-5: हिन्दी भाषा से जुड़े किसी भी व्यवसाय चाहे वह अध्यापन का हो या समीक्षा का, पत्रकारिता का हो या रचनात्मक लेखन का उसमें प्रदर्शन के लिए काव्यशास्त्र के मूल सिद्धांतों की जानकारी विद्यार्थियों के ज्ञान की सुदृढ़ आधारशिला है किसी भी भवन की मजबूती नींव की तरह।

CO-6: **रस** अलंकार. छन्द, ध्वनि **वक्रोक्ति**, औचित्य, प्रतीक, बि□ब इत्यादि का ज्ञान विद्यार्थियों को रचनात्मक अभिव्यक्ति में परोक्ष एवं सूक्ष्म भूमिका निभाने वाले तत्वों की जानकारी उन्हें सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल दोनों प्रदान करती है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-1263

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है | प्रथम भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/ दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों/पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई - एक

काव्य :

काव्य-लक्षण, काव्य तत्व तथा रस का स्वरूप के साथ रस के अंग काव्य-हेतु,काव्य प्रयोजन,काव्य के प्रकार |

इकाई - दो

रस सम्प्रदाय : रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा |
अलंकार सम्प्रदाय: परम्परा और मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण |

इकाई - तीन

ध्वनि सम्प्रदाय: ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि-सिद्धान्त की स्थापनाएं, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद |

रीति सिद्धांत: रीति की अवधारणा, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं, काव्य गुण,रीति एवं शैली |

वक्रोक्ति सिद्धांत: वक्रोक्ति की अवधारणा एवं मान्यताएं, वक्रोक्ति के भेद

इकाई - चार

औचित्य सिद्धांत : औचित्य से अभिप्राय**:** औचित्य का स्वरूप एवं भेद, प्रमुख स्थापनाएं,काव्य में औचित्य का स्थान एवं महत्व |

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृतियां : शास्त्रीय, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय |

सहायक पुस्तकें:

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
2. आलोचक और आलोचना: बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
3. हिंदी समीक्षा: स्वरूप और सन्दर्भ, रामदरश मिश्र, मैकमिलन कम्पनी, दिल्ली |
4.आधुनिक हिंदी समीक्षा-प्रकीर्णक से पद्धति तक, यदुनाथ सिंह, आर्य प्रकाशन मंडल, दिल्ली |
5.हिंदी आलोचना का सिद्धान्त, मक्खन लाल शर्मा, शब्द और शब्द प्रकाशन,दिल्ली |
6. भारतीय समीक्षा सिद्धांत, सूर्य नारायण द्विवेदी, संजय बुक सैंटर,वाराणसी |
7.भारतीय साहित्य दर्शन,सत्यदेव चौधरी, साहित्य सदन, देहरादून |
8.भारतीय काव्यशास्त्र, भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
9.काव्यशास्त्र, भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
10. रस सिद्धांत की दार्शनिक एवं नैतिक व्याख्याएं, तारकनाथ बाली, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-1264

प्रयोजनमूलक हिन्दी

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: हिन्दी भारत की राष्ट्र भाषा है। यह अन्तर्राष्ट्रीय भाषा भी है। अत: स्वाभाविक ही है की चुनिन्दा भाषाओं में से यह एक महत्वपूर्ण भाषा है।

CO-2: भारत की अभिजात राष्ट्र भाषा होने के कारण देश के प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी का व्यापक प्रयोग ही राष्ट्रीयता की दृष्टि से अत्युक्त भी है।

CO-3: हिन्दी राज भाषा से लेकर रेलवे स्टेशन, मन्दिर, धार्मिक स्थलों तक ही सीमित नहीं बल्कि तकनीकी शिक्षा, कानून और न्यायालय, वाणिज्य, व्यापार सभी क्षेत्रों में हिन्दी का व्यापक प्रयोग होता है।

CO-4: इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी भाषा के सभी रूपों का गहनतम ज्ञान प्राप्त कर भाषा स�बन्धी क्षेत्रों में नौकरी पा सकता है।

CO-5: भाषा के विविध क्षेत्रों (कार्यालयी, व्यवसायिक, प्रशासनिक, राजकीय) में पारंगत हो सकता है।

CO-6: क�प्यूटर व मीडिया के क्षेत्र में भी रोज़गार प्राप्त कर हो सकता है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-1264

Course Title: प्रयोजनमूलक हिन्दी

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है | प्रथम भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/ दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों/पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई - एक

पाठ्य विषय :

कामकाजी हिन्दी
-हिंदी के विभिन्न रूप-संचार : भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा |
-कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख रूप : प्रारूपण,पत्रलेखन, संक्षेपण,पल्लवन, टिप्पण |
-पारिभाषिक शब्दावली -स्वरूप एवं महत्व,पारिभाषिक शब्दावली -निर्माण के सिद्धांत |
-ज्ञान विज्ञान के क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली निर्धारित क्षेत्र: बैंक, रेलवे, कम्प्यूटर और सामान्य प्रशासनिक शब्दावली (संलग्न)

इकाई - दो

-हिंदी कंप्यूटिंग: कम्प्यूटर की आधारभूत व्यावहारिक जानकारी |
- कम्प्यूटर: परिचय उपयोग तथा क्षेत्र
-इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख-रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र |
-वेब पब्लिशिंग |

इकाई - तीन

-इंटरनेट एक्स्प्लोरर अथवा नेटस्केप नेंवीगेटर
-लिंक, ब्राउज़िंग, ई-मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर, पैकेज |

इकाई - चार

कार्यालयी टिप्पणियों के हिन्दी रूप सम्बन्धी शब्दावली, पृ.73-76 तक, कम्प्यूटर शब्दावली पृ.144- 147 तक |
परिभाषिक शब्दावली हेतु अनुशंसित पुस्तक-हिन्दी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम, वागीश प्रकाशन, जालंधर |

सहायक पुस्तकें:

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी- विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी:सिद्धांत और प्रयोग दंगल झाल्टे, विद्या विहार, नई दिल्ली |
3. राजभाषा विविध, माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
4. ज्ञान शिखा (प्रयोजनमूलक हिन्दी विशेषांक), संपा. डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय प्रकाशन |
5. अनुवाद प्रकिया, डॉ. रीता रानी पालीवाल, साहित्य निधि, दिल्ली |
6. व्यावहारिक हिन्दी, कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली |
7. कंप्यूटर और हिन्दी, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली |
8. संक्षेपण और विस्तारण, कैलाशचन्द्र भाटिया, सुमन सिंह प्रभात प्रकाशन, दिल्ली |
9. प्रयोजनमूलक हिन्दी, रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
10. प्रयोजनमूलक हिन्दी, संरचना एवं अनुप्रयोग, डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
11. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी, डॉ. ओमप्रकाश सिंहल, जगत राम प्रकाशन, दिल्ली |

12 अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं, भोलानाथ तिवारी/ओमप्रकाश गाबा,शरद प्रकाशन, दिल्ली |
13. राजभाषा हिन्दी, डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
14.प्रशासनिक कार्यालय की हिन्दी, डॉ. रामप्रकाश/डॉ. दिनेश कुमार गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली|
15. व्यावहारिक हिन्दी, डॉ. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
16. प्रयोजनमूलक हिन्दी, कमल कुमार बोस, क्लासिकल पब्लिशिंग, नई दिल्ली |
17. हिन्दी की मानक वर्तनी कैलाश चन्द्र भाटिया, रचना भाटिया, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली |
18. कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग : सिद्धांत और तकनीक, राजीव, राजेन्द्र कुमार, साहित्य मंदिर, दिल्ली |
19.प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राजनाथ भट्ट, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-1265

(वैकल्पिक अध्ययन)

विकल्प -एक

हिन्दी नाटक और रंगमंच

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: नाटक हिन्दी गद्य साहित्य की अन्यतम विधा है। हिन्दी में नाटकों का प्रारंभ भारतेन्दु से माना जाता है।

CO-2: भारतेन्दु युग के नाटककारों ने लोक चेतना के विकास के लिए नाटकों की रचना की ताकि उस समय की सामाजिक समस्याओं को नाटकों में अभिव्य€त किया जा सके।

CO-3: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक काल में भारतेन्दु युग में नाटकों के विकास तथा रंगमंच के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा महान नाटककारों भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद तथा सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों का अध्ययन करेंगे।

CO-4: यह प्रश्न पत्र विद्यार्थियों की रंगमंच के प्रति रुचि उत्पन्न करेगा और उनकी सृजनात्मक क्षमता को उभारने में मदद करेगा।

Masters of Arts (HINDI)(Semester-I)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-1265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प -एक

Course Title: हिन्दी नाटक और रंगमंच

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है | प्रथम भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/ दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों/पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई - एक

व्याख्या एवं अध्ययन के लिय निर्धारित पुस्तकें :

(क) अंधेर नगरी: भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली |
(ख) ध्रुवस्वामिनी: जयशंकर प्रसाद, प्रसाद प्रकाशन, वाराणसी |
(ग) आठवां सर्ग : सुरेन्द्र वर्मा , राधाकृष्णन प्रकाशन ,दिल्ली |

इकाई - दो

भारतेंदु का रंगमंच : सामर्थ्य और सीमाएं

पारसी रंगमंच, पृथ्वी थियेटर, नुक्कड़ नाटक, रेडियो नाटक
भारतेंदु की नाट्य चेतना
अंधेर नगरी का मुख्य सन्दर्भ
अंधेर नगरी में भारतेंदु युगीन विसंगतियों की अभिव्यक्ति
अंधेर नगरी में यथार्थ बोध
अंधेर नगरी में व्यंग्य भाषा, शैली
अंधेर नगरी का नाट्य शिल्प, प्रतीक विधान |

इकाई - तीन

जयशंकर प्रसाद : नाट्य यात्रा में ध्रुवस्वामिनी का महत्वाँकन
ध्रुवस्वामिनी: इतिहास और कल्पना का योग
ध्रुवस्वामिनी: राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना
ध्रुवस्वामिनी: रंगमंचीयता
ध्रुवस्वामिनी: पात्र परिकल्पना, गीत योजना, भाषा-शैली
ध्रुवस्वामिनी: ध्रुवस्वामिनी का प्रबंधकीय एवं राजनैतिक कौशल

इकाई - चार

सुरेन्द्र वर्मा : नाट्ययात्रा में 'आठवां सर्ग'
आठवां सर्ग : शीर्षक की सार्थकता एवं प्रासंगिकता
आठवां सर्ग : समस्या चित्रण,श्लीलता अश्लीलता का प्रश्न
आठवां सर्ग : अभिनेयता
आठवां सर्ग : पात्र परिकल्पना
आठवां सर्ग : गीत योजना, भाषा शैली

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, डॉ. अज्ञात, पुस्तक संस्थान, कानपुर |
2. पारसी हिंदी रंगमंच, लक्ष्मीनारायण लाल, राजपाल एंड संस, दिल्ली |
3. भारतेंदु हरिश्चन्द्र, रामविलास शर्मा,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |
4. नाटककार भारतेंदु की रंग कल्पना, सत्येन्द्र तनेजा, भारतीय भाषा प्रकाशन, दिल्ली |
5. प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन, सिद्धनाथ कुमार, ग्रन्थथम्, कानपुर |
6. सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों में परंपरा और आधुनिकता बोध |
7. सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों की विषय वस्तु , केवल कृष्ण घोड़ेला, दिल्ली |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-1265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प–दो

कोश विज्ञान

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: कोश विज्ञान की उत्पत्ति, अर्थ, पर्याय, विलोम आदि जानने का सबसे सरल, उपयोगी एवं अनुकरणीय माध्यम है।

CO-2: इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी कोश की उपयोगिता और कोश और व्याकरण के अन्तरस□बन्ध के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकता है।

CO-3: कोश के निर्माण की प्रक्रिया, कोश के प्रकार, कोश निर्माण में आने वाली कठिनाइयों के बारे में ज्ञान अर्जित कर सकता है

CO-4: कोश विज्ञान के साथ, ध्वनि, व्याकरण व्युत्पत्ति शास्त्र और अर्थ विज्ञान का गहन अध्ययन–विशलेषण करने में सक्षम हो सकता है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-1265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प - दो

कोश विज्ञान

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है| प्रथम भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/ दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों/पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई - एक

पाठ्य विषय :

- कोश, परिभाषा और स्वरूप, कोश की उपयोगिता,कोश और व्याकरण का अंत: सम्बन्ध |

इकाई - दो

- कोश के भेद- समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोश, एककालिक और कालक्रमिक कोश, पारिभाषिक कोश, व्युत्पत्ति कोश, समांतर कोश, अध्येताकोश, विश्वकोश , बोलीकोश |

इकाई - तीन

- कोश- निर्माण की प्रक्रिया : सामग्री संकलन, प्रवृष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पति, अर्थ, पर्याय, चित्र प्रयोग, उप-प्रवृष्टियां संक्षिप्तियां, सन्दर्भ और प्रतिसंदर्भ |

- रूप अर्थ सम्बन्ध : अनेकार्थकता, समनार्थकता, समनामता, समध्वन्यात्मकता,विलोमता |

इकाई - चार

-कोश निर्माण की समस्याएं : समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशों के संदर्भ में, अलिखित भाषाऑं का कोश-निर्माण |

-कोशविज्ञान और विषयों का सम्बन्ध : कोशविज्ञान और स्वनविज्ञान, व्याकरण, व्युत्पत्ति शास्त्र और अर्थविज्ञान का सम्बन्ध |

सहायक पुस्तकें :

1.डॉ. भोलानाथ तिवारी, कोश और उसके प्रकार, दिल्ली : साहित्य सहकार|

2.डॉ. कामेश्वर शर्मा, हिन्दी की समस्याएं, पटना :नोवेल्टी एंड कम्पनी |

3.कोश विज्ञान,प्रकाशन केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा |

4.डॉ. हेमचन्द्र जोशी, हिंदी के कोष और कोशशास्त्र के सिद्धांत-राजर्षि अभिनन्दन ग्रंथ, दिल्ली: प्रथम संस्करण |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-1265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प-तीन

पंजाब का मध्यकालीन हिन्दी साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: हिन्दी भाषा और साहित्य के उत्थान में हिन्दी भाषी प्रदेशों का ही नहीं अपितु हिन्दीतर प्रदेशों का भी बहुत योगदान है।

CO-2: पंजाब का इस क्षेत्र में अवदान अनुकरणीय है।

CO-3: इस प्रश्नपत्र में पंजाब के हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि, इतिहास के अतिरिक्त विद्यार्थी, गुरु काव्यधारा, राम काव्यधारा, कृष्ण काव्यधारा व सूफी काव्यधारा के अधययन के साथ–साथ गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध भक्ति कालीन गद्य साहित्य का ज्ञानार्जन कर सकेगा।

CO-4: गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध दरबारी काव्य तथा श्री मद् भगवदगीता के संदर्भ में अनुवाद एवं भाष्य का अध्ययन कर सकेगा।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-1265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प - तीन

Course Title:पंजाब का मध्यकालीन हिन्दी साहित्य

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है | प्रथम भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/ दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों/पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई - एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :

पंजाब के हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि, परम्परा, इतिहास और काल विभाजन - नाथ साहित्य, सिद्ध साहित्य तथा लौकिक साहित्य|

इकाई - दो

गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध पंजाब का भक्ति हिंदी साहित्य|
गुरु काव्य-धारा
राम काव्य-धारा
कृष्ण काव्य-धारा
सूफी काव्य-धारा

गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध भक्तिकालीन हिंदी गद्य

इकाई - तीन

गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध दरबारी-काव्य
पटियाला दरबार
संगरूर दरबार
कपूरथला दरबार
नाभा दरबार
गुरु गोबिंद सिंह का विद्या दरबार

इकाई - चार

जन्मसाखी साहित्य (पुरातन जन्मसाखी के संदर्भ में)
टीकाएं(आनंदघन के संदर्भ में)
अनुवाद एवं भाष्य (गीता के संदर्भ में)

सहायक पुस्तकें:

1. पंजाब का हिन्दी साहित्य, डॉ.हरमहेन्द्र सिंह बेदी, डॉ. कुलविन्द्र कौर, मनप्रीत प्रकाशन, दिल्ली |
2. पंजाब प्रान्तीय हिन्दी साहित्य का इतिहास, चन्द्रकान्त बाली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली|
3. गुरुमुखी लिपि में हिन्दी काव्य, डॉ. हरिभजन सिंह, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली |
4. गुरुमुखी लिपि में हिन्दी गद्य, डॉ. गोविन्द नाथ राजगुरु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
5. गुरु गोबिन्द सिंह के दरबारी कवि, डॉ.भारत भूषण चौधरी, स्वास्तिक साहित्य सदन, कुरुक्षेत्र |
6. पंजाब हिन्दी साहित्य दर्पण, शमशेर सिंह, 'अशोक' अशोक पुस्तकालय, पटियाला |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2021-22

Course Code: MHIL - 2261

मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1: इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी 'मध्ययुगीन हिन्दी काव्य के अंतर्गत तुलसी, मीरा जैसे भक्त कवि और रीति कवि बिहारी के काव्य के गूढ़ार्थ से परिचित होंगे |

CO-2: राम काव्य सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त करते हुए तुलसीदास की समन्वय साधना, लोकनायकत्व, भक्ति भावना एवं दार्शनिक सिद्धान्तों का गहन अध्ययन करने में समर्थ होंगे |

CO-3: मीराबाई के काव्य के अध्ययन से विद्यार्थी उनकी भक्ति भावना, दार्शनिक सिद्धांत एवं काव्य सौष्ठव का ज्ञान प्राप्त करेंगे |

CO-4: रीतिकालीन कवि बिहारी की सतसई के गहन अध्ययन से विद्यार्थी सतसई में वर्णित भक्ति, नीति, श्रृंगार से संबंधित बिहारी के अभिधार्थ, लक्ष्यार्थ एवं व्यंग्यार्थ को समझेंगे |

CO-5: समग्रत: मध्युगीन भक्ति काव्य विद्यार्थियों को नवीन शोध हेतु प्रेरित करने में सक्षम होगा |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2021 - 22

Course Code: MHIL - 2261

मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है I प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है I इसमें चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा I प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा I भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा I प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा I

इकाई -एक

व्याख्या व आलोचना के लिए निर्धारित पाठ्य पुस्तक - 'काव्य मंजूषा' सम्पादक प्रो॰ सुधा जितेन्द्र ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली ,2014

व्याख्या के लिए **निर्धारित कवि –**

1.तुलसीदास
2.मीराबाई
3.बिहारीलाल

इकाई -दो

तुलसीदास और उनका काव्य :परिचय तथा विशेषताएं
तुलसी की समन्वय साधना और लोकनायकत्व
तुलसी की भक्ति भावना
तुलसी के दार्शनिक सिद्धांत
रामचरितमानस का साहित्यिक मूल्यांकन
विनय पत्रिका: मूल प्रतिपाद्य और शिल्प
कवितावली : मूल प्रतिपाद्य

इकाई –तीन

- मीराबाई और उनका काव्य: परिचय तथा विशेषताएं
- मीरा के काव्य के दार्शनिक सिद्धांत
- मीरा के काव्य में भक्ति का स्वरूप
-मीरा की वाणी का काव्य सौष्ठव
- हिंदी कृष्ण काव्य परम्परा में मीरा का स्थान

इकाई -चार

– बिहारी और उनका काव्य: परिचय तथा विशेषताएं
- सतसई परम्परा में बिहारी का स्थान
- बिहारी सतसई : मूल प्रतिपाद्य
- बिहारी सतसई :भक्ति , नीति और श्रृंगार का समन्वय
- बिहारी की अर्थवत्ता
- बिहारी सतसई : काव्य शिल्प

सहायक पुस्तकें:

1. उदयभानु सिंह, तुलसी : दर्शन-मीमांसा ,लखनऊ विश्वविद्यालय,लखनऊ |
2. राममूर्ति त्रिपाठी ,आगम और तुलसी, मैकमिलन ,नई दिल्ली |
3. राममूर्ति त्रिपाठी , तुलसी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
4. बलदेव प्रसाद मिश्र, तुलसी दर्शन, हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग |
5. रामप्रसाद मिश्र ,तुलसी के अध्ययन की नई दिशाएं, भारतीय ग्रन्थ निकेतन , नई दिल्ली |
6. रमेश कुंतल मेघ, तुलसी : आधुनिक वातायन से, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली |
7. रामनरेश वर्मा, हिंदी सगुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी|
8. विष्णुकांत शास्त्री, तुलसी के हिय हेर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
9. हरबंस लाल शर्मा, बिहारी और उनका साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ|
10. उदयभानु हंस, बिहारी की काव्य कला, रीगल बुक, दिल्ली|
11. जयप्रकाश, बिहारी की काव्य सृष्टि, ऋषि प्रकाशन, कानपुर |
12. डॉ. बच्चन सिंह,बिहारी का नया मूल्यांकन,हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी |
13. रवीन्द्र कुमार सिंह, बिहारी सतसई: सांस्कृतिक - सामाजिक संदर्भ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
14. भगवानदास तिवारी, मीरा की प्रामाणिक पदावली, साहित्य भवन, इलाहाबाद |
15. महावीर सिंह गहलोत, मीरा: जीवनी और साहित्य |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)
Session 2021-22

Course Code: MHIL-2262

हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड–दो)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इतिहास की दृष्टि से साहित्यिक स्तर की रचनाओं का मूल्यांकन करना साहित्य का इतिहास कहलाता है। यदि आधुनिक साहित्य के स्वरूप को जानना है तो यह अत्यंत आवश्यक है कि उसके विगत का विवरण भी जाना जाए।

CO-2: विगत का विवरण एवं बोध जिसने अतीत के जीवन को प्रभावित किया हो और भविष्य के लिए भी संकेत हो, साहित्य का इतिहास कहलाता है।

CO-3: अतः वर्तमान भाषा और साहित्य के विकास को जानने के लिए यह प्रश्न पत्र अनिवार्य है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-2262

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड दो)

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है | प्रथम भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार- चार अंकों के छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/ दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों/पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई - एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र:

क) आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई. की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण |

ख) भारतेन्दु युग: प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं |

इकाई - दो

- द्विवेदी युग: प्रमुख प्रवृत्तियां ,प्रमुख रचनाकारों का सामान्य परिचय
- छायावाद : पृष्ठभूमि ,प्रमुख प्रवृत्तियां ,प्रमुख रचनाकारों का परिचय

इकाई - तीन

- उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृतियां - प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता |

इकाई - चार

नाटक ,उपन्यास ,कहानी ,निबंध एवं आलोचना : उद्भव एवं विकास

संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोतार्ज, जीवनी, आत्मकथा : उद्भव एवं विकास

सहायक पुस्तकें:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास: रामचंद्र शुक्ल |
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, संपादक डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली |
3. साहित्य का इतिहास दर्शन, आचार्य नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्र परिषद् , पटना |
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
5. हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास - (भाग 1-16), नगरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |
7. भारतेंदु मण्डल के समानान्तर और अपूरक मुरादाबाद मण्डल, हरमोहन लाल सूद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
8. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी |
9. हिन्दी काव्य का इतिहास: रामस्वरूप चतुर्वेदी |
10. हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास: पूरनचंद टंडन एवं विनीता कुमारी |
11. हिन्दी साहित्येतिहास की भूमिका (भाग-3): सूर्यप्रसाद दीक्षित |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2020-21

Course Code: MHIL-2263

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: भारतीय काव्यशास्त्र के परिचय के उपरांत इस पाठयक्रम के द्वारा विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के क्रमिक विकास के अन्तर्गत प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस से लेकर आधुनिक युग में पाश्चात्य आलोचकों की साहित्य एवं साहित्य की समीक्षा से स□बन्धित विभिन्न धारणाओं से अवगत होंगे।

CO-2: आधुनिक युग में स्वच्छन्दतावाद, अस्तित्ववाद, उत्तरआधुनिकतावाद इत्यादि दार्शनिक विचारधाराओं के स्वरूप और विशेषताओं को जानेंगे ।

CO-3: आधुनिक युग के साहित्य पर इन विचार सरणियों के प्रभाव के परिणामस्वरुप साहित्य में आए परिवर्तनों के मूल्यांकन की योग्यता प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2021-22

Course Code: MHIL- 2263

Course Title: पाश्चात्य - काव्यशास्त्र

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है| प्रथम भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/ दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों/पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई - एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :
पाश्चात्य आलोचना का इतिहास: संक्षिप्त परिचयात्मक इतिहास
प्लेटो: काव्य सिद्धान्त, प्रत्ययवाद |
अरस्तू: अनुकरण-सिद्धान्त, त्रासदी-विवेचन, विरेचन सिद्धान्त |

इकाई - दो

लोंजानस: उदात्त की अवधारणा और स्वरूप |
मैथ्यू आर्नल्ड: आलोचना का स्वरूपगत प्रकार्य |

इकाई - तीन

आई.ए.रिचर्ड्स: संवेगो का सन्तुलन, व्यावहरिक आलोचना, काव्यभाषा |
इलियट: निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, परम्परा की अवधारणा |

इकाई - चार

सिद्धांत और वाद: स्वछंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, आधुनिकतावाद

व्यावहारिक समीक्षा: परीक्षक द्वारा प्रश्नपत्र में पूछे गए किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा

सहायक पुस्तकें:

1. पाश्चात्य समीक्षा के सिद्धांत: मैथिली प्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ |
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
3. आलोचक और आलोचना: बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
4. नई समीक्षा के प्रतिमान, सं.निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा, संपा.नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली |
6. पाश्चात्य और पौरस्त तुलनात्मक काव्यशास्त्र, राममूर्ति त्रिपाठी, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर |
7. पाश्चात्य समीक्षा: सिद्धांत और वाद, डॉ. सत्यदेव मिश्र |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-2264

मीडिया–लेखन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: माडिया को लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। इसीसे इसके महत्व का अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

CO-2: समाज में मीडिया की भूमिका संवाद वहन की होती है।

CO-3: आधुनिक युग में मीडिया का सामान्य अर्थ समाचार पत्र, पत्रिकाओं, टी.वी., रेडियो व इंटरनेट आदि से लिया जाता है। आज मीडिया की ताकत से कोई अन्जान नहीं है।

CO-4: इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थी प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संबंधी सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त कर मीडिया की बारीकियों को जानकर पत्रकारिता के क्षेत्र में अग्रसर हो सकता है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)
Session 2021-22

Course Code: MHIL- 2264

Course Title: मीडिया - लेखन

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है| प्रथम भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/ दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों/पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई - एक

- जनसंचार माध्यम: परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार
- दूर संचार: प्रोद्योगिकी एवं चुनौतियां
- विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप: मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इन्टरनेट |

इकाई - दो

- श्रव्य माध्यम (रेडियो) मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार वाचन एवं लेखन |
- रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोतार्ज |

इकाई - तीन

- दृश्य- श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविज़न एवं वीडियो)

दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य: पार्श्व वाचन (Voice over), पटकथा लेखन(Script Writting), टेली ड्रामा(Tele Drama), डाक्यू ड्रामा(Documentry), संवाद- लेखन(Dialouge Writting) |

इकाई - चार

साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा |

पारिभाषिक शब्दावली हेतु अनुशंसित पुस्तक-हिंदी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम, वागीश प्रकाशन, जालंधर |

विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली पृ. 222 से 226

सहायक पुस्तकें:

1. जनसंचार माध्यमों में हिंदी, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली |
2. भारतीय प्रसारण माध्यम, डॉ. कृष्ण कुमार रत्तु, मंगदीप प्रकाशन, जयपुर |
3. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक, हर्षदेव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
4. भाषा और प्रोद्योगिकी, विनोद कुमार प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-2265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प–एक

नाटककार मोहन राकेश

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: मोहन राकेश हिन्दी जगत में कभी न भूला जाने वाला नाम है। उनकी नाट्यकृतियों से साहित्य तो समृद्ध हुआ ही, भारतीय रंगमंच को भी एक नई ज़मीन मिली।

CO-2: क–भ्त में संगीत नाटक अकादमी द्वारा मोहन राकेश के 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतिकरण के लिए पुरस्कृत किया गया। उसके बाद से नाटक लगातार आगे बढ़ता जा रहा है।

CO-3: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी नाटककार मोहन राकेश के स□पूर्ण नाटकों का अध्ययन करने के उपरान्त नाटकों के माध्यम से मोहन राकेश के जीवन, उनके नाट्य प्रयोगों तथा उनकी नाट्य भाषा को जानने, समझने में सक्षम हो पाएंगे।

CO-4: साथ ही वे नाटकों के मूलपाठ, लेखकीय भूमिका और सृजन प्रक्रिया के सबंध में भी गहन अध्ययन कर सकेंगे।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2021-22

Course Code: MHIL- 2265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प - एक

Course Title: नाटककार मोहन राकेश

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है | प्रथम भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/ दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों/पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई - एक

व्याख्या के लिए निर्धारित नाटक:

-आषाढ़ का एक दिन: राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
-लहरों के राजहंस: राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
-आधे अधूरे: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

इकाई - दो

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र

नाटक: विधागत वैशिष्ट्य, तत्व तथा प्रकार

मोहन राकेश: व्यक्ति और नाटककार
'आषाढ़ का एक दिन': मोहन राकेश
आषाढ़ का एक दिन का प्रतिपाद्य और मुख्य समस्याएं
कालिदास का अन्तर्द्वन्द्व, पात्र-परियोजना, भाषा-शैली
आषाढ़ का एक दिन: नाम की सार्थकता
आषाढ़ का एक दिन: रंगमंचीयता सार्थकता

इकाई - तीन

मोहन राकेश की नाट्य - सृष्टि एवं नाट्य प्रयोग
मोहन राकेश रंगमंच के प्रबल समर्थ नाटककार
'लहरों के राजहंस': मोहन राकेश
लहरों के राजहंस का नाट्यात्मक वैशिष्ट्य
लहरों के राजहंस: प्रतिपाद्य एवं मुख्य समस्याएँ
लहरों के राजहंस: विचारधारा और कथ्य - चेतना
लहरों के राजहंस: नाम की सार्थकता
लहरों के राजहंस: रंगमंचीयता |

इकाई - चार

मोहन राकेश के नाटकों की मूल्य-चेतना
मोहन राकेश की नाट्यभाषा को योगदान
'आधे अधूरे': मोहन राकेश
आधे अधूरे का नाट्यात्मक वैशिष्ट्य
आधे अधूरे: समकालीन मध्यवर्गीय जीवन का दस्तावेज़
आधे अधूरे: विचारधारा, भाषा तथा कथ्य चेतना
आधे अधूरे: नाम की सार्थकता
आधे अधूरे: रंगमंचीयता एक नवीन नाट्य-प्रयोग

सहायक पुस्तकें:

1. मोहन राकेश और उनके नाटक, डॉ. गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली |
2. मोहन राकेश की रंग-सृष्टि, डॉ.जगदीश शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, वाराणसी |
3. नाटककार मोहन राकेश, डॉ. तिलकराज शर्मा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली |
4. आधुनिक नाटक का मसीहा: मोहन राकेश, डॉ. गोविन्द चातक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली |
5. आधे - अधूरे: समीक्षा, डॉ. राजेश शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली |
6. हिन्दी साहित्य में प्रतीक नाटक, डॉ. रामनारायण लाल, आशा प्रकाशन, कानपुर |
7. मोहन राकेश, व्यक्तित्व तथा कृतित्व, डॉ. सुषमा अग्रवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

8. हिन्दी रंगमंच वार्षिकी, डॉ. शरद नागर, रंगभारती प्रकाशन, दिल्ली |
9. मोहन राकेश के नाटकों में मिथक और यथार्थ, डॉ. अनुपमा शर्मा, नचिकेता प्रकाशन, दिल्ली |
10. हिंदी नाटक का उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली |
11. मोहन राकेश के नाटक, द्विजराय यादव, अशोक प्रकाशन, दिल्ली |
12. लहरों के राजहंस: विविध आयाम, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
13. आषाढ़ का एक दिन: वस्तु और शिल्प, विश्व प्रकाश बटुक दीक्षित, राजपाल पब्लिशर्ज़, दिल्ली |
14. रंग शिल्पी : मोहन राकेश, नरनारायण राय, कादम्बरी, दिल्ली |
15. रंगमंच की भूमिका और हिन्दी नाटककार, रघुवरदयाल वार्ष्णेय, साहित्यलोक, कानपुर |
16. नाटककार मोहन राकेश: संवाद शिल्प, मदन लाल, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली |
17. मोहन राकेश की कृतियों में स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, मिथिलेश गुप्ता, कृष्णा ब्रदर्स, दिल्ली |
18. साठोत्तरी हिन्दी नाटकों का रंगमंचीय अध्ययन, राकेश वत्स, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-2265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प–दो

भारतीय साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: स□पूर्ण भारतीय साहित्य के बारे में जानने के लिए यह प्रश्नपत्र स□पूर्ण भारत को जोड़ने का काम करता है।

CO-2: अपने–अपने क्षेत्रों के अतिरिक्त संपूर्ण भारत में किन–किन साहित्यकारों ने हिन्दी भाषा और साहित्य में अपना योगदान दिया है इसकी पूरी जानकारी इस प्रश्नपत्र के माध्यम से मिलेगी।

CO-3: उड़िया, बंगला और मराठी के क्रमशः कविताएं, उपन्यास और नाटक के अनुवाद माध्यम से विद्यार्थी भारतीय साहित्य की समृद्ध परज़्परा से परिचित होता है।

CO-4: इन तीनों विधाओं का हिन्दी से तुलनात्मक अध्ययन विद्यार्थी की विश्लेषण की दृष्टि को भी विकसित करता है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2021-22

Course Code: MHIL- 2265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प - दो

Course Title: भारतीय साहित्य

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है| प्रथम भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार- चार अंकों के छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/ दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों/पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई - एक

अध्ययन एवं व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां :

-वर्षा की सुबह (उड़िया-काव्य-संग्रह) सीताकांत महापात्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |
पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताएँ:
आकाश, वर्षा की सुबह नारी वस्त्र-हरण, आधी रात, शब्द से दो बातें, समुद्र की भूल, अकेले-अकेले, जाड़े की साँझ, समुद्र तट, लट्टू डरता है मौत से वह आदमी, चूल्हे की आग |
अग्निगर्भ (बंगला उपन्यास) महाश्वेता देवी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1979
घासी राम कोतवाल (मराठी नाटक) विजय तेंदुलकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 1974

इकाई - दो

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र

कवि सीताकांत महापात्र का सामान्य परिचय एवं जीवन दर्शन, वर्षा की सुबह: काव्य सौन्दर्य (साहित्यिक)
वर्षा की सुबह: प्रकृति चित्रण, वर्षा की सुबह: मानवीय सम्बन्ध और मूल्य चेतना |
भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरूप
हिन्दी और उड़िया कविता का तुलनात्मक अध्ययन |

इकाई - तीन

महाश्वेता देवी का सामान्य परिचय: औपन्यासिक यात्रा के सन्दर्भ में, महाश्वेता देवी का वैचारिक दृष्टिकोण, अग्निगर्भ उपन्यास का वैशिष्ट्य, मूल प्रतिपाद्य, पात्र तथा चरित्र-चित्रण, अग्निगर्भ उपन्यास में बंगाल का आदिवासी जीवन एवं बंगाली संस्कृति |
हिन्दी और बंगला उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन |

इकाई - चार

विजय तेंदुलकर की नाट्य यात्रा एवं घासीराम कोतवाल का वैशिष्ट्य, घासीराम कोतवाल नाटक की समीक्षा, प्रतिपाद्य एवं प्रमुख समस्याएँ, घासीराम कोतवाल नाटक में लोक परम्परा का प्रवाह, घासीराम कोतवाल नाटक
में रंगमंचीयता, घासीराम कोतवाल नाटक में मराठी का समसामयिक जीवन एवं मराठी संस्कृति, भारतीय नाटक के सन्दर्भ में घासीराम कोतवाल |
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
हिन्दी और मराठी नाटक का तुलनात्मक अध्ययन |

सहायक पुस्तकें:

1. बंगला साहित्य का इतिहास, प्रकाशक:भारतीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली|
2. भारतीय साहित्य का संकेतिक इतिहास,डॉ.नगेन्द्र कार्यन्वयन समिति, दिल्ली विश्वविद्याल,दिल्ली|
3. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याए, राम विलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
4. भारतीय साहित्य, डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली |
5. हिंदी साहित्येतिहास- दर्शन की भूमिका, डॉ. हरमहेंद्र सिंह बेदी, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली |
6. भारतीय साहित्येतिहासलेखन की समस्याएं, रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-2265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प–तीन

पंजाब का आधुनिक हिन्दी साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: हिन्दी की विविध विधाओं के विकास में पंजाब का योगदान अतुलनीय है।

CO-2: इस प्रश्नपत्र में पंजाब के आधुनिक हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि के हस्ताक्षरों का अध्ययन भी विद्यार्थी कर सकेगा।

CO-3: पंजाब के साहित्यकारों ने कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक यहां तक कि पत्रकारिता के क्षेत्र में सराहनीय योगदान दिया है।

CO-4: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से पंजाब प्रान्तीय हिन्दी साहित्य की जानकारी भी मिलती है जो निश्चित रूप से हिन्दीभाषा और साहित्य के स्तर को गरिमा प्रदान करती है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2021-22

Course Code: MHIL- 2265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प - तीन

Course Title: पंजाब का आधुनिक हिन्दी साहित्य

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है| प्रथम भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/ दो पृष्ठों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों/पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई - एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र

पंजाब के आधुनिक हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि
पंजाब के आधुनिक हिन्दी साहित्य के मुख्य हस्ताक्षर:
- पं. श्रद्धाराम फिल्लौरी
- सुदर्शन
- उपेन्द्रनाथ अश्क
- भीष्म साहनी
- कुमार विकल

इकाई - दो

पंजाब का उपन्यास साहित्य में योगदान
पंजाब का कहानी साहित्य में योगदान
पंजाब का नाटक साहित्य में योगदान

इकाई - तीन

पंजाब का कविता में योगदान
पंजाब का निबंध साहित्य में योगदान
पंजाब का आलोचना में योगदान

इकाई - चार

पंजाब का पत्रकारिता में योगदान
पंजाब के स्वातंत्र्योतर हिन्दी साहित्य का योगदान
पंजाब प्रांतीय हिन्दी साहित्य: उपलब्धि और सीमा

सहायक पुस्तकें:

1. पंजाब का हिंदी साहित्य, डॉ. हरमहेंद्र सिंह बेदी, डॉ. कुलविंदर कौर, मनप्रीत प्रकाशन, दिल्ली |
2. पंजाब प्रांतीय हिंदी साहित्य का इतिहास, चंद्रकांत बाली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
3. गुरुमुखी लिप्पी में हिंदी काव्य, डॉ. हरभजन सिंह, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली |
4. गुरुमुखी लिप्पी में हिंदी गद्य, डॉ. गोविन्द नाथ राजगुरु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली|
5. गुरु गोबिंद सिंह के दरबारी कवि, डॉ. भारत भूषन चौधरी, स्वास्तिक साहित्य सदन, कुरुक्षेत्र |
6. पंजाब हिंदी साहित्य दर्पण, शमशेर सिंह 'अशोक', अशोक पुस्तकालय, पटियाला |

Annexure E

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
M.A. HINDI (Semester: III –IV)

(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)

Session: 2021-22

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATIONS OF TWO YEAR DEGREE PROGRAMME

Masters of Arts (Hindi)

Semester III

Session 2021-22

Semester III								
Course Code	**Course Name**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
MHIL-3261	आधुनिक हिंदी काव्य:द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी	C	80	64	-	16	3
MHIL -3262	आधुनिक गद्य साहित्य	C	80	64	-	16	3
MHIL -3263	भाषा विज्ञान	C	80	64	-	16	3
MHIL - 3264	पत्रकारिता प्रशिक्षण	C	80	64	-	16	3
MHIL -3265(Opt----) (विद्यार्थी आगे लिखित विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)	गुरु नानक देव जी (Opt-i) सूरदास (Opt-ii) हिंदी कहानी (Opt-iii)	O	80	64	-	16	3
Total			**400**				

C-Compulsory
O-Optional

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATIONS OF

TWO YEAR DEGREE PROGRAMME

Masters of Arts (Hindi)

Semester IV

Session 2021-22

Semester IV								
Course Code	**Course Name**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
MHIL -4261	आधुनिक हिंदी काव्य: छायावादोत्तर काल	C	80	64	-	16	3
MHIL -4262	आधुनिक गद्य साहित्य	C	80	64	-	16	3
MHIL -4263	हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि	C	80	64	-	16	3
MHIL - 4264	राजभाषा प्रशिक्षण	C	80	64	-	16	3
MHIL -4265(Opt-----) (विद्यार्थी अग्रलिखित विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)	उत्तर काव्यधारा के सन्दर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का विशेष अध्ययन (Opt-i) हिंदी उपन्यास (Opt-ii) निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल (Opt-iii)	O	80	64	-	16	3
Total			**400**				

C-Compulsory
O-Optional

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2021-22

Course Code: MHIL - 3261

आधुनिक हिन्दी काव्य:द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1: इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी कविता के प्रस्थान बिंदु द्विवेदीयुगीन काव्य और तदुपरान्तु खड़ी बोली हिन्दी कविता के स्वर्णयुग छायावादी काव्य की विशेषताओं को समझने के साथ हिन्दी कविता के विकास में इन दोनों काव्यधाराओं के योगदान से अवगत होंगे।

CO-2: इस पाठ्यक्रम में द्विवेदी युग के प्रतिनिधि कवि मैथिलीशरण गुप्त की सर्वश्रेष्ठ रचना 'साकेत' तथा छायावादी युग के प्रमुख कवि श्री जयशंकर प्रसाद की कृति 'कामायनी' तथा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविताएं वस्तुत: समकालीन परिस्थितियों के समानान्तर भारतीय चेतना के क्रमिक विकास की उत्कृष्ट प्रस्तुति हैं।

CO-3: **इस**से विद्यार्थी एक समय की सामाजिक परिस्थितियों की सापेक्षता में बदल रहे जीवन–मूल्यों के साथ मानव–चेतना के संघर्ष को सहज ही समझ सकेंगे।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2021 -22

Course Code: MHIL - 3261

आधुनिक हिन्दी काव्य: द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है । प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है । इसमें चार- चार अंकों के सप्रसंग व्याख्या के छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा । भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा ।

इकाई -एक

व्याख्या

निर्धारित कवि निर्धारित पाठ्य पुस्तके:

1. मैथिलीशरण गुप्त: साकेत, साहित्य सदन, झाँसी, साकेत (नवम सर्ग) पृ. 5 – पृ.35 तक
2. जयशंकर प्रसाद: कामायनी, भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1971 (श्रद्धा, लज्जा और आनन्द सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: राग विराग, संपादक रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1974(राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति, जागो फिर एक बार 1-2 जूही की कली, बांधो न नाव, कुकुरमुत्ता)

इकाई -दो

मैथिलीशरण गुप्त:

- नवजागरण और द्विवेदीयुग के प्रतिनिधि कवि गुप्त
- 'साकेत' का महाकाव्यत्व
- नवम सर्ग का काव्य–वैभव
- राष्ट्रीय चेतना के कवि मैथिलीशरण गुप्त
- मैथिलीशरण गुप्त का जीवन –दर्शन
- साकेत: सांस्कृतिक आधार और युगीन आदर्श

– उर्मिला का चरित्र चित्रण

इकाई -तीन

जयशंकर प्रसादः

– छायावादी काव्यांदोलन और जयशंकर प्रसाद
– 'कामायनी' की अन्तर्वस्तु
– कामायनी: महाकाव्यत्व
– कामायनी: दार्शनिक पक्ष
– कामायनी: इतिहास और कल्पना
– 'कामायनी' की रूपक योजना
– कामायनी की भाषा–शैली

इकाई -चार

सूर्यकांत त्रिपाठी निरालाः

– निराला की काव्य विकास यात्रा के विभिन्न चरण
– निराला का जीवन–दर्शन
– छायावादी कवि निराला
– प्रगतिवादी कवि निराला
– प्रयोगधर्मी कवि निराला
– निराला का काव्य–सौन्दर्य
– राम की शक्ति पूजा: कथ्य और शिल्प
– सरोज स्मृति: कथ्य और शिल्प

सहायक पुस्तकें:

1. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, डॉ. श्रीनिवास शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, डॉ. द्वारिका प्रसाद स€सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. साकेत एक अध्ययन, नगेन्द्र, नेशनल पŽिलशिंग हाउस, दिल्ली।
4. मैथिलीशरण गुप्त: एक मूल्यांकन, राजीव स€सेना, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली ।
5. मैथिलीशरण गुप्त: कवि और भारतीय संस्कृति के आज़्याता, उमाकांत, नेशनल पŽिलशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
6. साकेत सुधा, रामस्वरूप दुबे, नारायण बुक डिपो, कानपुर ।
7. प्रिय प्रवास और साकेत की आदर्शगत तुलना, श्री वल्लभ शर्मा, मंगल प्रकाशन, जयपुर।
8. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारका प्रसाद स€सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
9. मिथक और स्परूप: कामायनी की मनस्सौंदर्य सामाजिक भूमिका, रमेश कुंतल मेघ, ग्रंथम कानपुर ।
10. कामायनी: मूल्यांकन और मूल्यांकन, इंद्रनाथ मदान, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद ।
11. कामायनी: एक पुनर्विचार, गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
12. कामायनी के अध्ययन की समस्याएं, डॉ.नगेन्द्र, नेशनल पŽिलशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
13. निराला की साहित्य साधना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. क्रांतिकारी कवि निराला, बच्चन सिंह, हिंदी प्रचारक, वाराणसी।
15. काव्य–पुरुष निराला, जयनाथ नलिन, आलोक प्रकाशन, कुरुक्षेत्र।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)
Session 2021 -22

Course Code: MHIL-3262

आधुनिक गद्य साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: आधुनिक गद्य साहित्य हिन्दी के श्रेष्ठ साहित्य का परिचायक प्रश्नपत्र है जिसमें महादेवी वर्मा कृत 'अतीत के चलचित्र' संस्मरण साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी तत्कालीन स्त्री की स्थिति का मूल्यांकन करने में समर्थ होंगे और संस्मरण साहित्य विधा को जानने में सक्षम होंगे|

CO-2: राजेन्द्र यादव द्वारा सम्पादित कहानी संग्रह 'एक दुनियां समानांतर' में संकलित कहानियों के अध्ययन से विद्यार्थी आधुनिक हिंदी के उच्चकोटि के कथाकारों के साहित्यिक अवदान एवं कहानियों में वर्णित समस्याओं से परिचित होंगे|

CO-3: आधुनिक हिंदी साहित्य का उच्चकोटि का उपन्यास 'गोदान' प्रेमचंद की ऐसी कृति है जिसके माध्यम से विद्यार्थी तत्कालीन समाज की विसंगतियों, समस्याओं से जूझते पात्रों की अलक्षित सामर्थ्य एवं शक्ति से परिचित होंगे| इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए शोध के नवीन द्वार खुलते हैं|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-3262

आधुनिक गद्य साहित्य

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है। जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है। इसमें चार- चार अंकों के सप्रसंग व्याख्या के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा। भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा।

इकाई -एक

व्याख्या:

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित कृतियाँ -

1.गोदान -प्रेमचंद ,हंस प्रकाशन ,इलाहबाद |

व्याख्या के लिए निर्धारित पृष्ठ - पृ. 1 से 150 तक

2. एक दुनिया समानांतर - राजेन्द्र यादव ,अक्षर प्रकाशन ,दिल्ली |

निर्धारित कहानियां - बादलों के घेरे ,खोई हुई दिशाएं ,चीफ की दावत ,यही सच है ,एक और जिंदगी, टूटना,

नन्हों ,भोलाराम का जीव

3. अतीत के चलचित्र ,महादेवी वर्मा ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,केवल पहले आठ संस्मरण (रामा ,भाभी ,बिन्दा सबिया ,बिट्टो ,बालिका मां ,घीसा ,अभागी स्त्री)

इकाई -दो

गोदान:

विधागत वैशिष्ट्य ,विकास यात्रा ,हिंदी उपन्यास और प्रेमचंद ,गोदान :कृषक जीवन की त्रासदी ,आदर्श -

यथार्थ ,जीवन दर्शन ,प्रगतिशील विचारधारा ,महाकाव्यात्मक उपन्यास, कथा शिल्प, पात्र, भाषा एवं समस्याएं|

इकाई -तीन

एक दुनिया समानांतर :

हिंदी कहानी : उद्भव और विकास ,कहानी के प्रमुख आन्दोलन ,समकालीन कहानी की विशेषताएं ,किसी निर्धारित कहानी के कथ्य सम्बन्धी प्रश्न , किसी निर्धारित कहानी के शिल्प सम्बन्धी प्रश्न ,संग्रह में निर्धारित कहानियों की सामान्य विशेषताएं |

इकाई -चार

अतीत के चलचित्र :

रेखाचित्र :स्वरूप ,तत्व एवं प्रकार ,अतीत के चलचित्र के आधार पर महादेवी के गद्यकार रूप का विवेचन ,किसी एक रेखाचित्र के कथ्य पर केन्द्रित प्रश्न , किसी एक रेखाचित्र के शिल्प पर केन्द्रित प्रश्न ,रेखाचित्र के तत्वों के आधार पर 'अतीत के चलचित्र' का समग्र मूल्यांकन |

सहायक पुस्तकें:

1. डॉ.लाल चंद गुप्त 'मंगल', अस्तित्वाद और नयी कहानी, शोध प्रबंध, दिल्ली |
2. डॉ. देवी शंकर अवस्थी, नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
3. डॉ. मधु संधु, कहानीकार निर्मल वर्मा, दिनमान, दिल्ली |
4. हिंदी लेखक कोश, डॉ. सुधा जितेन्द्र एवं अन्य, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर |
5. प्रेमचंद: कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद |
6. प्रेमचंद: हमारे समकालीन, सं.रमेशकुन्तल मेघ और ओम अवस्थी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर |
7. महादेवी का गद्य, सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |
8. महादेवी और उनकी गद्य रचनाएं, माधवी राजगोपाल, रंजन प्रकाशन, आगरा |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2021 -22

Course Code: MHIL-3263

भाषा विज्ञान

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी का संरचनात्मक स्तर पर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं |

CO-2: भाषा के सही उच्चारण का कौशल प्राप्त कर सकते हैं|

CO-3: समय के बदलते परिवेश के अनुसार भाषा के रूप, वाक्य और अर्थ परिवर्तन की जानकारी हासिल कर सकते हैं|

CO-4: विभिन्न भाषाओं के व्याकरणिक स्तर पर तुलनात्मक अध्ययन की प्रवृत्ति पा सकते हैं|

CO-5: भाषा विज्ञान के विभिन्न व्याकरणों एवं विज्ञानों का सम्यक् अध्ययन करने में सक्षम हो सकते हैं |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2021-22
Course Code: MHIL - 3263

भाषा विज्ञान

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है इसमें इकाई एक में से चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा। भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा |

इकाई -एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

भाषा : परिभाषा और स्वरूपगत विशेषताएं, भाषा के विभिन्न रूप : विभाषा, मातृभाषा, साहित्यिक/ सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, मानक भाषा | भाषा का अवृत्तिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण

इकाई -दो

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

भाषा विज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा विज्ञान के अंग, भाषाविज्ञान का विभिन्न पद्धतियों/शास्त्रों के साथ सम्बन्ध: वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक
ध्वनि विज्ञान : ध्वनि नियम (ग्रिम निरूपित), ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएं |

इकाई -तीन

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

रूपविज्ञान : रूप और संरूप : सामान्य परिचय, परिभाषा व पारस्परिक अंतर, रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएं
वाक्य विज्ञान : वाक्य का स्वरूप और लक्षण, वाक्य के निकटस्थ अवयव, वाक्य के भेद : रचना, आकृति व अर्थ के आधार पर |

इकाई -चार

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र –

अर्थ विज्ञान : अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं

आधुनिक भाषा विज्ञान : प्रमुख प्रवृत्तियां, रूपांतरण प्रजनक व्याकरण, व्यवस्थापरक व्याकरण, शैली विज्ञान, समाज भाषा विज्ञान |

सहायक पुस्तकें

1.भाषाविज्ञान की भूमिका, डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली|

2. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा, द्वारिका प्रसाद सक्सेना|

3. भाषा विज्ञान कोश, भोलानाथ तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |

4. भाषा विज्ञान,डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद |

5.भाषा विज्ञान, कर्ण सिंह, साहित्य भंडार, मेरठ |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-lll)

Session 2021-22
Course Code: MHIL - 3264

पत्रकारिता - प्रशिक्षण

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: विद्यार्थी रेडियो , टी.वी, समाचार पत्र हिन्दी विशेषग्य ,प्रोग्राम प्रोड्यूसर , संपादक, संवाददाता , अनुवादक , प्रूफ रीडर , के रूप में रोज़गार प्राप्त कर सकते हैं।

CO-2:इस डिप्लोमा से प्राप्त योग्यता के आधार पर विद्यार्थी मीडिया हेतु विज्ञापन,पटकथा,संवाद एवं गीत लेखन के व्यवसाय को भी विकल्प के रूप में अपना सकता है।

CO-3: विद्यार्थी स्वतंत्र संवाददाता एवं स्तम्भ लेखक के रूप में अपना कैरियर बना सकते हैं।

CO-4: विद्यार्थी बतौर समीक्षक अपनी पहचान बनाने में योग्य होंगें।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-lll)

Session 2021- 22

Course Code: MHIL -3264

पत्रकारिता - प्रशिक्षण

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है । प्रथम भाग अनिवार्य है । इसमें चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा । भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा।

इकाई -एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास, समाचार पत्रकारिता के मूल तत्त्व, समाचार संकलन. तथा लेखन के प्रमुख आयाम | सम्पादन कला के सामान्य सिद्धांत: शीर्षकीकरण,

पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार पत्रों की प्रस्तुत प्रक्रिया

इकाई -दो

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना, समाचार के विभिन्न स्रोत, संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति| पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन: सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी पत्रकारिता,

अनुवर्तन (फॉलोअप) की प्रविधि

इकाई -तीन

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता :रेडियो, टी वी, वीडियो,केबल, मल्टीमीडिया, और इंटरनेट की पत्रकारिता | प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा| पत्रकारिता का प्रबंधन :प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था |

इकाई -चार

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक सम्पर्क तथा विज्ञापन, प्रसार भारती, तथा सूचना प्रौद्योगिकी, प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

सहायक पुस्तकें

1. कृष्ण बिहारी मिश्र, हिन्दी पत्रकारिता, संपा. लक्ष्मीचन्द्र जैन, लोकोदय ग्रन्थ भाषा, दिल्ली |
2. राधेश्याम शर्मा, विकास पत्रकारिता |
3. श्याम सुंदर शर्मा, समाचार पत्र, मुद्रण और साजसज्जा |
4. सविता चड्ढा, नई पत्रकारिता और समाचार लेखन |
5. हरिमोहन, समाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन कला |
6. शिवकुमार दुबे, हिंदी पत्रकारिता: इतिहास और स्वरूप |
7. अर्जुन तिवारी, आधुनिक पत्रकारिता, वाराणसी विश्वविद्यालय |
8. रामचन्द्र तिवारी, सम्पादन के सिद्धांत, आलेख प्रकाशन, दिल्ली |
9. रमेश चन्द्र त्रिपाठी, पत्रकारिता के सिद्धांत |
10. हरिमोहन, रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता |
11. संपा. के.सी. नारायण, सम्पादन कला |
12. हरिमोहन, सम्पादन कला एवं प्रूफ पठन |
13. डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू, भारतीय प्रसारण माध्यम |
14. टी.डी. एस. आलोक, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया |
15. हर्षदेव, उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक |
16. संजीव भानावत, प्रेस कानून और पत्रकारिता |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2021 - 22

Course Code: MHIL - 3265

गुरु नानक देव जी

विकल्प - एक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्न - पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सिक्खों के प्रथम गुरु के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

CO-2: गुरु नानक जी की वाणी के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

CO-3: गुरु नानक जी की वाणी के माध्यम से उनके विचारों और जीवन में उनके महत्व के बारे में जानकारी हासिल कर सकते है |

CO-4: गुरु नानक जी की वाणी के माध्यम से गुरुमुखी लिपि में रचित हिंदी साहित्य के प्रति जागरूक होगें |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2021 - 22
Course Code: MHIL - 3265

गुरु नानक देव जी

विकल्प - एक

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है I प्रथम भाग अनिवार्य है जिसमें चार- चार अंकों के सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा I प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा I भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा I प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों /पांच पृष्ठों में देना होगा I

व्याख्या एवं अध्ययन के लिए निर्धारित कृति : जपुजी साहिब, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, अमृतसर |

इकाई -एक

व्याख्या हेतु निर्धारित कृत्ति - जपुजी साहिब

इकाई -दो

गुरु नानक देव: युग और व्यक्तित्व, जपुजी साहिब का सामान्य परिचय, गुरु नानक देव जी की वाणी का वैशिष्ट्य

इकाई -तीन

गुरु नानक देव जी का सामाजिक चिंतन, गुरु नानक देव जी की भक्ति - भावना, गुरु नानक देव जी की वाणी में दार्शनिकता

इकाई -चार

गुरु नानक देव जी के काव्य में भारतीय संस्कृति के तत्व, जपुजी साहिब की भाषा- शैली एवं काव्य सौष्ठव, निर्गुण भक्त कवियों में गुरु नानक देव जी का स्थान

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2021-22
Course Code: MHIL - 3265

सूरदास

विकल्प - दो

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: सूरदास विरचित कृष्ण लीला के महत्वपूर्ण प्रसंगों पर आधारित सरस एवं भक्तिपूर्ण पदों के माध्यम से भक्ति के स्वरूप और साहित्य की सरसता को आत्मसात करने के योग्य होंगे |

CO-2: मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय में सूरदास की भक्ति भावना और उसके आधार में निहित दार्शनिक भूमिका की समझने में सक्षम होंगे |

CO-3: सूरकाव्य में निहित संगीत, लय और गीति तत्व की विशेषता को आत्मसात करने के साथ - साथ विद्यार्थी भाषा के सौन्दर्य को समृद्ध बनाने वाले उपकरण - रस, छंद, अलंकार इत्यादि के व्यवहारिक उपयोग और सौन्दर्य को समझने में योग्य होंगे |

CO-4: सूरकाव्य के लीला तत्व और कूट पदों के ज्ञान एवं रहस्य से परिचय इस सन्दर्भ में शोध की सम्भावनाओं के प्रति विद्यार्थिओं किन रूचि प्रोत्साहित होगी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2021 - 22
Course Code: MHIL -3265

सूरदास

विकल्प - दो

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है। इसमें चार- चार अंकों के छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा। भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा।

व्याख्या एवं अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तक -

सूरसागर, सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लि० इलाहाबाद |

इकाई -एक

व्याख्या हेतु निर्धारित पद -
विनय भक्ति - 1 से 10 तथा 17 से 24 =18 पद
गोकुल लीला - 1 से 35 =35 पद
वृन्दावन लीला - 3 से 18, 38 से 53, 145 से 155 =43 पद
उधव सन्देश - 116 से 159 =44 पद

इकाई -दो

- मध्ययुगीन भक्ति आन्दोलन तथा कृष्ण भक्ति
- मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति: सम्प्रदाय एवं सिद्धांत
- कृष्ण भक्ति काव्य: विशेषताएं तथा उपलब्धियां
- सूरदास: व्यक्तितत्व एवं कृतित्व
- सूरकाव्य में लोक संस्कृति
- सूरकाव्य में मनोविज्ञान

इकाई -तीन

- कृष्ण भक्ति काव्य में सूरदास का स्थान
- सूरकाव्य में पुष्टिमार्गीय भक्ति
- सूरकाव्य में भक्ति साधना के अन्य रूप - दास्य, संख्य, प्रेमा आदि
- सूरकाव्य में वात्सल्य वर्णन
- सूरकाव्य में दार्शनिक पक्ष
- सूरकाव्य में निर्गुण - सगुण द्वंद्व

इकाई -चार

- सूरकाव्य में लीला तत्व
- सूरकाव्य में विभिन्न रसों की सृष्टि
- सूरकाव्य में बिम्ब, प्रतीक तथा मिथक
- सूर की काव्य भाषा: शब्द सम्पदा, पद रचना, अलंकार, छंद आदि |
- सूरकाव्य में गीति तत्व
- सूरकाव्य के कूट पद

सहायक पुस्तके:

1.कमला अत्रिय, आधुनिक मनोविज्ञान और सूरकाव्य, विभू प्रकाशन, साहिबाबाद |

2. रमाशंकर तिवारी, सूर का श्रृंगार वर्णन, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर |

3. आद्या प्रसाद त्रिपाठी, सूर साहित्य में लोक - संस्कृति, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग |

4. एन.जी. द्विवेदी, हिन्दी कृष्ण काव्य का आलोचनात्मक इतिहास, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली |

5. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, सूर साहित्य, राजकमल प्रकाशम, नई दिल्ली |

6. प्रभुदयाल मित्तल, सूरदास, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद |

7. प्रभुदयाल मित्तल, सूरसर्वस्व, राजपाल एंड संज, दिल्ली |

8. ब्रजेश्वर वर्मा, सूरदास, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद |

9. रामनरेश वर्मा, सगुण भक्ति काव्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |

10. मुंशीराम शर्मा, सूरदास का काव्य वैभव ग्रंथम, कानपुर |

11. हरबंस लाल शर्मा, सूर और उनका साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़ |

12. वेदप्रकाश शास्त्री, सूर की भक्ति भावना, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली |

13. शारदा श्रीवास्तव, सूर साहित्य में अलंकार विधान, बिहार ग्रन्थ कुटीर, पटना |

14. केशव प्रसाद सिंह, सूर संदर्भ और दृष्टि, संजय बुक सेंटर, वाराणसी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2021 - 22

Course Code: MHIL -3265

हिन्दी कहानी

विकल्प - तीन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

:1-COकहानी साहित्य को आत्मसात करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है |इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी – वर्ग को कहानी के स्वरूप,विकास यात्रा, कहानी के आन्दोलनों एवं समकालीन कहानी साहित्य की विशेषताओं का विस्तृत एवं गहन ज्ञान प्राप्त होगा |

CO-2:अज्ञेय की कहानियों के माध्यम से महानगरीय जीवन की विसंगतियों से जूझते मनुष्य से साक्षात्कार कर विद्यार्थी उनकी समस्याओं से अवगत होंगे |

CO-3:भीष्म साहनी की कहानियों के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों के समक्ष पंजाब की तत्कालीन स्थिति, विभाजन की त्रासदी से उत्पन्न संत्रास, विदेशी वातावरण में अपनी मिट्टी की महक के दर्शन होंगे |

CO-4:मन्नू भंडारी की कहानियों के द्वारा विद्यार्थी समकालीन संदर्भ में स्त्री की स्थिति, आधुनिक युग की समस्याओं से दो - चार होती, जूझती नारी एवं स्त्री अस्मिता से जुड़े प्रश्नों का साक्षात्कार करेंगे |

CO-5:समग्रत: प्रश्नपत्र विद्यार्थी वर्ग के लिए आगामी शोध के लिए ज़मीन तैयार करता है |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-3265

हिंदी कहानी

विकल्प-तीन

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है जिसमें चार- चार अंकों के सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा। भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों /पांच पृष्ठों में देना होगा।

इकाई –एक

व्याख्या एवं अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तक –

प्रतिनिधि कहानियां –भीष्म साहनी
प्रतिनिधि कहानियां –मृदुला गर्ग
मेरी प्रिय कहानियां –मन्नू भंडारी

इकाई –दो

. कहानी: स्वरूप, परिभाषा, तत्व एवं प्रकार
. कहानीकार भीष्म साहनी :सामान्य परिचय
. भीष्म साहनी की कहानियों का कथ्य एवं मूल संबंध
. भीष्म साहनी की कहानियों के नारी पात्र
. भीष्म साहनी की कहानियों का शिल्प एवं भाषा
. निर्धारित संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रशन

इकाई –तीन

. हिंदी कहानी की विकास यात्रा
. कहानीकार मृदुला गर्ग : सामान्य परिचय

. मृदुला गर्ग की कहानियों में सामाजिक संचेतना
. मृदुला गर्ग की कहानियों में मनोविज्ञान
. मृदुला गर्ग की कहानियों का शिल्प एवं भाषा
. संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रश्न

इकाई -चार

. हिंदी कहानी के विभिन्न आन्दोलन
. समकालीन कहानी की विशेषताएं
. कहानीकार मन्नू भंडारी :सामान्य परिचय
. मन्नू भंडारी की कहानियां: अस्तित्ववादी चेतना
. मन्नू भंडारी की कहानियां: मनोविज्ञान और बदलता समाज
. मन्नू भंडारी की कहानियां : शिल्प और भाषा
. निर्धारित संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रश्न

अनुशंसित पुस्तकें:

1. हिंदी कहानी : उद्भव और विकास, सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली |
2. हिंदी कहानी : पहचान और परख, इन्द्रनाथ मदान (संपा.) लिपि प्रकाशन, दिल्ली |
3. कहानी: स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली |
4. नयी कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली |
5. कहानी: नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद |
6. नयी कहानी: संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली |
7. समकालीन कहानी की पहचान, नरेन्द्र मोहन, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली |
8. नयी कहानी: विविध प्रयोग, पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद |
9. हिंदी कहानी में प्रगति चेतना, लक्ष्मणदत्त गौतम, कोणार्क, दिल्ली |
10. मिथिलेश रोहतगी, हिन्दी की नयी कहानी का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, शलभ प्रकाशन, मेरठ |
11. हिन्दी लेखक कोश, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर |
12. डॉ. शिव प्रसाद सिंह, आधुनिक परिवेश और अस्तित्व, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
13. राम दरश मिश्र, दो दशक की कथा यात्रा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
14. इन्द्रनाथ मदान, हिन्दी कहानी अपनी ज़बानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
15. सुरेन्द्र चौधरी, हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया
16. परमानंद श्रीवास्तव, हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया, ग्रंथम, कानपुर |
17. बटरोही, कहानी: रचना प्रक्रिया और स्वरूप, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2021-22

Course Code: MHIL - 4261

आधुनिक हिंदी काव्य :छायावादोत्तर काल

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1: 'आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादोत्तर काल' में अज्ञेय, धूमिल एवं मुक्तिबोध के काव्य के माध्यम से छायावाद के बाद की हिन्दी कविता में कथ्य एवं भाषा शैली के स्तर पर आए परिवर्तनों को समझेंगे।

CO-2: स्वातंत्र्योतर युग में जैसे-जैसे पूंजीवाद के फलस्वरुप भौतिकवादी रुझानों ने भारतीय जीवन शैली, राजनीतिक सामाजिक व्यवस्था, जीवन मूल्यों और सामाजिक सम्बन्धों को प्रभावित किया वैसे-वैसे वे अनुभूतियां किस प्रकार तीव्र और गहन रूप में काव्य में अभिव्यक्त हुई हैं उपर्युक्त कवियों का काव्य इसका प्रमाण है।

CO-3: इन कवियों की कविताओं के माध्यम से विद्यार्थी साहित्य के सामाजिक सरोकारों को समझने के साथ-साथ कविता के नवीन रूपों को पढ़ेंगे और समझेंगे।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2021 - 22

Course Code: MHIL - 4261

आधुनिक हिंदी काव्य :छायावादोत्तर काल

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है। इसमें चार- चार अंकों के छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा। भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा ।

इकाई -एक

व्याख्या एवं आलोचना के लिए निर्धारित कवि

क. स.ही.वात्स्यायन 'अज्ञेय' सम्पादक विद्या निवास मिश्र, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली1993(असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, शब्द और सत्य, औद्योगिक बस्ती, आँगन के पार, कितनी नावों में कितनी बार, नदी के द्वीप।

ख. ग.मा.मुक्तिबोध: चाँद का मुँह टेढा है, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, 1964 अंधेरे में

प. धूमिल: संसद से सड़क तक (मोची राम, भाषा की एक रात, पटकथा)

इकाई-दो

स.ही.वात्स्यायन 'अज्ञेय' का सामान्य परिचय

- छायावादोत्तर काव्यांदोलन और अज्ञेय
- अज्ञेय की जीवन दृष्टि
- प्रयोगवादी कवि अज्ञेय
- अज्ञेय के काव्य की साहित्यिक विशेषताएँ
- अज्ञेय की कविता का शिल्प–सौन्दर्य

– असाध्य वीणा: प्रतिपाद्य और शिल्प

इकाई-तीन

ग.मा.मुक्तिबोध

– मुक्तिबोध: कवि और उनकी काव्य रचनाएं

– प्रतिबद्ध कवि मुक्तिबोध

– फेंटेसी का कवि मुक्तिबोध

– 'अंधेरे में' कविता का कथ्य और शिल्प

– मुक्तिबोध की कविता का भावजगत और उनका काव्य शिल्प

– श्री नरेश मेहता का सामान्य परिचय

इकाई -चार

धूमिल

– जनवादी चेतना के कवि धूमिल

– साठोŽारी हिन्दी कविता और धूमिल

– धूमिल की कविता में मानव–मूल्य

– धूमिल की कविता: आज के व्यक्ति का **बिम्ब**

– धूमिल की कविता: भाषा–शिल्प

– भारत भूषण अग्रवाल का सामान्य परिचय

सहायक पुस्तके:

1. धूमिल और उसका काव्य संघर्ष, डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. धूमिल: काव्य–यात्रा, मंजु अग्रवाल, ग्रन्थम, कानपुर।
3. समकालीन कविता और धूमिल, डॉ.मंजुल उपाध्याय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. नयी कविता के प्रमुख हस्ताक्षर, डॉ.सन्तोष कुमार तिवारी, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा ।
5. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, रामस्वरुप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
6. अज्ञेय कवि, ओम प्रकाश अवस्थी, ग्रंथम, कानपुर।
7. अज्ञेय, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नेशनल पŽलशिंग हाउस, दिल्ली।
8. अज्ञेय की कविता–एक मूल्यांकन चन्द्रकांत बादिवडेकर, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
9. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता, लल्लन राय, मंथन पŽलकेशन, रोहतक।
10. मुक्तिबोध: प्रतिबद्ध कला के प्रतीक, चंचल चौहान, पांडुलिपि प्रकाशन, दिल्ली।

11. गजानन माधव मुक्तिबोध: जीवन और काव्य, महेश भटनागर, राजेश प्रकाशन, दिल्ली ।
12. मुक्तिबोध: विचारक कवि और कथाकार, सुरेन्द्र प्रताप, नेशनल पŽलशिंग हाउस, नई दिल्ली।
13. मुक्तिबोध की काव्यचेतना, हुकुमचंद राजपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना: नंद किशोर नवल, राज किशोर प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. अज्ञेय की काव्य तितीषा, नंद किशोर आचार्य, वाग्यदेवी प्रकाशन, बीकानेर।
16. वाक्-संदर्श, हरमोहन लाल सूद, पीयूष प्रकाशन, दिल्ली।
17. धूमिल और उसका काव्य-संघर्ष, ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती, इलाहाबाद।
18. श्री नरेश मेहता, दृश्य और दृष्टि, संपा.प्रमोद त्रिवेदी, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2021 - 22

Course Code: MHIL - 4262

आधुनिक गद्य साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: यह प्रश्नपत्र साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराता है | यह निबंध, नाटक एवं आत्मकथा साहित्य की त्रिवेणी है जिसमे स्नात होकर विद्यार्थी अपने ज्ञान को सम्पुष्ट करता है |

CO-2: विभिन्न निबंधकारों के निबंधों में साहित्यिकता, व्यंग्य, संस्कृति एवं सभ्यता का पुट मिलता है |

CO-3: 'आधे–अधूरे' के माध्यम से न केवल मोहन राकेश अपितु उनकी नाट्य दृष्टि, रंगमंचीयता एवं जीवन के आधे – अधूरेपन की त्रासदी से विद्यार्थी परिचित होंगे इस कृति के माध्यम से वे नाटककार के दृष्टिकोण से भी परिचित होंगे |

CO-4: आत्मकथा – 'सत्य के प्रयोग' के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जीवन के सूक्ष्म दर्शन होंगे और साथ ही राष्ट्र के लिए गाँधी द्वारा किये गए प्रयासों एवं उनके त्याग से वे रूबरू होंगे |

CO-5: तीनो विधाएं विद्यार्थियों के लिए साहित्य के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए उनके आधारभूमि तैयार करती हैं |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2021 -22

Course Code: MHIL - 4262

आधुनिक गद्य साहित्य

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समय: तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है I प्रथम भाग अनिवार्य है I इसमें चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा I प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा I भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे | प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा I प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा I

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित कृतियाँ :

1.निबंध विविध, सम्पादक हरमोहन लाल सूद, वागीश प्रकाशन, जालंधर|

2.आधे अधूरे 'मोहन राकेश, राधाकृषण प्रकाशन, दिल्ली |

3.मेरी आत्मकथा, गाँधी, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली |

इकाई -एक

1.निबंध विविधा -निर्धारित निबंध-कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, अशोक के फूल, गेहूं बनाम गुलाब, सौन्दर्य की उपयोगिता, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, पगडंडियों का ज़माना |
2.आधे अधूरे
3.मेरी आत्मकथा -पहले तीन भाग (केवल)

इकाई -दो

अध्ययन के लिए निर्धारित निबंध -(निबंध विविधा,हरिमोहन लाल सूद)- कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, अशोक के फूल, गेहूं बनाम गुलाब, सौन्दर्य की उपयोगिता, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, पगडंडियों का ज़माना

निबंध विधा-स्वरूप और वैशिष्ट्य, हिंदी निबंध- विकास यात्रा
कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता-उपेक्षित पात्रों का सरोकार
अशोक के फूल-भारतीय संस्कृति, इतिहास और जीवन की गाथा
गेहूं बनाम गुलाब- मानव जाति का अभिप्रेत लक्ष्य
सौन्दर्य की उपयोगिता-साहित्य , सौन्दर्य और कला के अंत:संबंधों का प्रश्न
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है-प्रतिपाद्य
पगडंडियों का ज़माना-आधुनिक युग का सटीक व्यंग्य
पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक निबंध की विशेषताएं

इकाई -तीन

-(आधे अधूरे,मोहन राकेश)
नाटक-विधागत वैशिष्ट्य, हिंदी नाटक:विकास यात्रा
आधे अधूरे :मध्य्वर्गीय परिवार की त्रासदी
आधे अधूरे के विविध आयाम, विचारधारा तथा कथ्य चेतना ,भाषागत उपलब्धियां|
नाटक और रंगमंच का रिश्ता -मोहन राकेश की दृष्टि और आधे अधूरे का आधार |
मोहन राकेश की नाट्य भाषा |
आधे अधूरे :नए नाट्य प्रयोग का संदर्भ |

इकाई -चार

- (मेरी आत्मकथा :महात्मा गाँधी)

आत्मकथा :स्वरूप तथा प्रकार , आत्मकथा के आधार पर मेरी आत्मकथा का मूल्यांकन, मेरी आत्मकथा के संदर्भ में गाँधी जी का व्यक्तितत्व विश्लेषण |

सहायक पुस्तकें:

1.हिंदी लेखक कोश, प्रकाशन गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर |
2.जगदीश शर्मा, मोहन राकेश के नाटकों की रंग सृष्टि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली|
3.गोबिंद चातक, आधुनिक नाटक का मसीहा: मोहन राकेश, इन्द्रप्रस्थ , दिल्ली|
4.गिरीश रस्तोगी, मोहन राकेश के नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद|
5.सूर्य नारायण रणसुभे ,कहानीकार कमलेश्वर :संदर्भ और प्रकृति, पंचशील, जयपुर|
6. मधुकर सिंह,कमलेश्वर ,शब्द्कार, दिल्ली|
7 . अकाल पुरुष गाँधी, जैनेन्द्र ,पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली|
8 .गाँधी और उनके आलोचक, बलराम नंदा,सारंग प्रकाशन, दिल्ली|
9 .गाँधी दर्शन और विचार, हरमहेन्द्र सिंह बेदी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2021 - 22

Course Code: MHIL – 4263

हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: हिंदी भाषा के उद्भव और विकास के साथ - साथ हिंदी की विभिन्न बोलियों/विभाषाओं का ज्ञान |

CO-2: हिंदी की व्याकरणिक कोटियों के अध्ययन से भाषा के व्याकरणिक आधार को समझने की योग्यता का विकास |

CO-3: हिंदी की शब्द सम्पदा के अन्तर्गत तत्सम, तद्भव, तद्भव, देशज, विदेशी शब्दों- अरबी, फारसी, उर्दू, अंग्रेजी के शब्दों के परिचय से हिंदी की भाषायी क्षमता एवं आत्मसातीकरण की प्रवृत्ति का बोध |

CO-4: देवनागरी लिपि की विशेषताओं और हिंदी भाषा के मानक रूप का ज्ञान |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2021-22

Course Code: MHIL-4263

हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है । प्रथम भाग अनिवार्य है इसमें इकाई एक में से चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा । भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा।

इकाई -एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -
हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत का परिचय, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ-पालि, प्राकृत, शौरसैनी , मागधी ,अपभ्रंश का परिचय |

इकाई -दो

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण -(ग्रियर्सन एवं चैटर्जी के अनुसार)
हिंदी भाषा का उद्भव और विकास :सामान्य परिचय |

इकाई -तीन

हिंदी का भौगोलिक विस्तार,हिंदी की बोलियाँ -स्वरूपगत संक्षिप्त परिचय |
हिंदी का भाषिक स्वरूप:हिंदी शब्द रचना : उपसर्ग ,प्रत्यय ,समास |

हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ - लिंग, वचन ,कारक,पुरुष ,वाच्य|
हिंदी वाक्य रचना:पदक्रम और अन्विति|

इकाई -चार

भारत की प्रमुख लिपियों का परिचय ,देवनागरी लिपि का स्वरूप, विशेषताएं एवं सीमाएं,संशोधन के लिए प्रस्तावित प्रस्ताव |

सहायक पुस्तकें

1. भोलानाथ तिवारी ,हिंदी भाषा की शब्द सरंचना ,साहित्य सहकार , दिल्ली |
2. भोलानाथ तिवारी ,हिंदी भाषा की सरंचना ,वाणी प्रकाशन ,दिल्ली|
3. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा ,हिंदी भाषा का इतिहास ,हिन्दुस्तानी अकादमी ,इलाहबाद |
4 .डॉ. जाल्मन दीमान्श्त्श ,व्याहारिक हिंदी व्याकरण , राजपाल एंड संज ,कश्मीरी गेट ,दिल्ली|
5. हरदेव बाहरी,हिंदी :उद्भव ,विकास और रूप, किताब महल ,इलाहाबाद |
6. देवेन्द्र नाथ शर्मा तथा रामदेव त्रिपाठी , हिंदी भाषा का विकास ,राधाकृषण प्रकाशन ,नई दिल्ली |
7. डॉ. भोलानाथ तिवारी , हिंदी भाषा ,किताब महल , इलाहाबाद |
8. नरेश मिश्र , नागरी लिपि , निर्मल प्रकाशन, दिल्ली |
9. डॉ. हरिमोहन , हिंदी भाषा और कंप्यूटर , तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-4264

राजभाषा प्रशिक्षण

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: बहुभाषी देश भारत में सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी के महत्व का बोध |

CO-2: कार्यालयी एवं प्रशासनिक भाषा के रूप में हिंदी की प्रकृति का ज्ञान |

CO-3: बतौर राजभाषा हिंदी के उद्भव और विकास का परिचय |

CO-4: राजभाषा हिंदी के विकास के लिए विभिन्न संस्थाओं, केंद्र एवं राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों के द्वारा किये जा रहे प्रयत्नों की जानकारी |

CO-5: भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर हिंदी के सामर्थ्य एवं भविष्य की जानकारी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2021-22

Course Code: MHIL-4264

राजभाषा प्रशिक्षण

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है । प्रथम भाग अनिवार्य है । इसमें चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा । भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा।

इकाई -एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

प्रशासन -व्यवस्था और भाषा ,भाषा की बहुभाषीयता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता |
राज भाषा (कार्यालयी हिंदी) की प्रकृति ,राजभाषा विषयक स्वधानिक प्रावधान |
राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक)
राष्ट्रपति के आदेश (1952ए,1955 ए,1960)

इकाई -दो

राजभाषा अधिनियम1963 ,(यथा संशोधित 1967)
राजभाषा संकल्प(1968) , यथानुमोदित(1961)
राजभाषा नियम1976 द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र
हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिंदी की स्थिति
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी
हिंदी के प्रचार प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की भूमिका
हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या

इकाई -तीन

राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष :हिंदी ,आलेखन, टिप्पण ,संक्षेपण तथा पत्राचार |
कार्यालय अभिलेखों के हिंदी अनुवाद की समस्या

हिंदी कंप्यूटरीकरण
हिंदी संकेताक्षर और कूट निर्माण
हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी परिभाषिक शब्दावली

इकाई -चार

केंद्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिंदीकरण की प्रगति
बैंकिंग , बीमा औरअन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिंदी अनुप्रयोग की स्थिति
विविध क्षेत्रों में हिंदी
सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिंदी और देवनागरी लिपि
भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का भविष्य |

सहायक पुस्तकें

1. हरिबाबू जगन्नाथ, संघ की भाषा, केन्द्रीय सचिवालय, हिंदी परिषद् नई दिल्ली |
2. राजभाषा अधिनियम, अखिल भारतीय संस्था संघ, नई दिल्ली |
3. डॉ. भोलानाथ तिवारी, अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, नई दिल्ली |
4. मालिक मुहम्मद, राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम, राजपाल एंड संस, दिल्ली|
5. शेरबहादुर झा. संविधान में हिंदी तथा संविधान में राजभाषा सम्बन्धी अनुच्छेद तथा धाराएं, हिन्दी का सामाजिक संदर्भ |
6. संपा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. रामनाथ सहाय, हिंदी का सामाजिक संदर्भ, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा |
7. डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, संविधान में हिंदी प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, दिल्ली |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2021 -22

Course Code: MHIL - 4265

उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन

विकल्प-एक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: गुरु काव्य परम्परा में गुरु तेग बहादुर जी के योगदान का परिचय |

CO-2: गुरु तेगबहादुर जी के काव्य के दार्शनिक चिन्तन के व्याख्यात्मक पक्ष की अनुभूति |

CO-3: गुरु तेगबहादुर जी की वाणी के सांस्कृतिक पक्ष के दर्शन |

CO-4: गुरु तेगबहादुर जी की वाणी में अद्वैत दर्शन |

CO-5: वाणी के माध्यम से गुरु काव्य परम्परा एवं आदि ग्रंथ के समन्वयात्मक संदेश से साक्षात्कार |

CO-6: वाणी के माध्यम से तत्कालीन सन्दर्भों का सूक्ष्म अध्ययन |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2021 - 22

Course Code: MHIL - 4265

विकल्प-**एक**

उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का विशेष अध्ययन

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है I प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है I इसमें चार- चार अंकों के छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा I प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा I भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा I प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों / पांच पृष्ठों में देना होगा I

निर्धारित पुस्तक - वाणी गुरु तेग बहादुर जी, प्रकाशक :शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी,अमृतसर | व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक -वाणी गुरु तेग बहादुर जी

इकाई -एक

व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक -वाणी गुरु तेग बहादुर जी

इकाई -दो

गुरु तेग बहादुर :व्यक्तित्व और कृतित्व
गुरु काव्यधारा :परम्परा और विकास
हिंदी साहित्य में गुरु तेग बहादुर का स्थान
गुरु तेग बहादुर की वाणी की मूल संवेदना
गुरु तेग बहादुर की वाणी का काव्य दर्शन

इकाई- तीन

गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में गुरमत दर्शन का संकल्प
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी के समाजशास्त्रीय आयाम

गुरु तेग बहादुर जी की वाणी और भारतीय संस्कृति
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में पौराणिक संदर्भ

इकाई -चार

गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन
गुरु तेग बहादुर जी क वाणी का परवर्ती पंजाब के हिंदी साहित्य पर प्रभाव
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की राग योजना
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की प्रगितिशीलता

सहायक पुस्तकें :

1. नवम गुरु पर बारह निबंध , संपा.रमेश कुंतल मेघ ,गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर |
2. गुरु तेग बहादुर :जीवन और आदर्श, डॉ. महीप सिंह,रूप प्रकाशन, नई दिल्ली|
3. जीवन तथा वाणी गुरु तेग बहादुर, भाषा विभाग पंजाब, पटियाला |
4. नौ निध, संपा प्रो.प्रीतम सिंह, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर |
5. गुरु तेग बहादुर जी डा दार्शनिक चिन्तन, कृष्ण गोपाल दास,रूप प्रकाशन, नई दिल्ली|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2021 - 22

Course Code: MHIL - 4265

हिंदी उपन्यास

विकल्प-दो

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है। इसमें चार- चार अंकों के छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा। भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों /पांच पृष्ठों में देना होगा।

इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां-

1.'बाणभट्ट की आत्मकथा', आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली |

2. 'बूँद और समुद्र', अमृत लाल नागर, किताब महल, इलाहाबाद|

3.'धरती धन न अपना' ,जगदीश चन्द्र ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली|

इकाई –दो

उपन्यासकार हज़ारी प्रसाद द्विवेदी : सामान्य परिचय

बाणभट्ट की आत्मकथा की नारी भावना

बाणभट्ट की आत्मकथा :मूल्य चेतना

बाणभट्ट की आत्मकथा - प्रमुख चरित्र -बाणभट्ट, निपुणिका, भट्टिनी |

इकाई- तीन

-उपन्यासकार अमृतलाल नागर : सामान्य परिचय

बूँद और समुद्र की सामाजिक चेतना

बूँद और समुद्र की भाषा शैली

बूँद और समुद्र का सांस्कृतिक अध्ययन

बूँद और समुद्र की कथ्यगत उपलब्धियां

इकाई -चार

उपन्यासकार जगदीश चन्द्र :सामान्य परिचय
'धरती धन न अपना' में जगदीश चन्द्र का जीवन दर्शन
'धरती धन न अपना' में पंजाब का सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिवेश
धरती धन न अपना : कथ्य तथा समस्याएँ
'धरती धन न अपना' का कलात्मक पक्ष

सहायक पुस्तकें :

1.आज का हिंदी उपन्यास ,इन्द्रनाथ मदान ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली |

2.हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा , रामदरश मिश्र , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली|

3.आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिंदी उपन्यास, अतुलवीर अरोड़ा पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ |

4. जगदीश चन्द्र की उपन्यास यात्रा , डॉ सुधा जितेन्द्र ,संजय प्रकाशन, नई दिल्ली |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2021-22

Course Code: MHIL- 4265

निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल

विकल्प-तीन

Total: 80
CA: 16
समय: तीन घंटे TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है । प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है । इसमें चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों/दो पृष्ठों में देना होगा । भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों /पांच पृष्ठों में देना होगा ।

इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां-

1.चिंतामणि , भाग एक :इंडियन प्रेस , इलाहाबाद (सभी निबंध व्यख्यार्थ निर्धारित हैं)

2.चिंतामणि ,भाग दो :सरस्वती मंदिर , वाराणसी (व्यख्यार्थ निबंध: काव्य में अभिव्यंजनावाद)

3.चिंतामणि , भाग तीन :नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली (व्यख्यार्थ अनूदित निबंधों को छोडकर शेष सभी निबंध)

इकाई –दो

1.हिंदी साहित्य और निबंध विधा: विशेषतया आधुनिक काल

2.आचार्य शुक्ल से पूर्व हिंदी निबंध साहित्य :भारतेंदु युग ,द्विवेदी युग

3.आचार्य शुक्ल और निबंध विधा :स्थान एवं महत्व

इकाई- तीन

1.शुक्ल जी का निबंध साहित्य :वर्गीकरण तथा सर्वेक्षण

2.आचार्य शुक्ल की मूल्य -दृष्टि

3.आचार्य शुक्ल के निबंध - लेखन का वैशिष्ट्य

4.शुक्ल जी के सैध्दान्तिक, व्यावहारिक तथा अन्य निबंधो की विशेषताएं |

इकाई -चार

1. आचार्य शुक्ल पर पूर्ववर्ती निबंधकारों का प्रभाव और शुक्ल जी की परवर्ती निबंध परम्परा |

2. आचार्य शुक्ल का निबंध शिल्प भाषा, शैली,शब्द सरंचना ,विभिन्न भाषाओं की शब्दावली का प्रयोग |

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित महत्वपूर्ण निबंधों की समीक्षा |

सहायक पुस्तकें :

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और उनका साहित्य जय चन्द्र राय, भारतीय साहित्य मंदिर , दिल्ली|
2. आचार्य रामचंद्र विचार – कोश , सम्पादक अजित्त कुमार , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली |
3. निबंधकार रामचंद्र शुक्ल, राम लाल सिंह , साहित्य सहयोग ,इलाहाबाद |
4. आचार्य शुक्ल कोश, रामचंद्र तिवारी , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के बहुमुखी कृतित्व का सर्वांगीन विवेचन , संपा - शशिभूषण सिंहल ,ऋषभचरण जैन , दिल्ली|
6. रामचंद्र शुक्ल व्यक्तित्व और साहित्य दृष्टि, संपा. विद्याधर , प्रभा प्रकाशन, इलाहाबाद|
7. . आचार्य रामचंद्र के प्रतिनिधि निबंध ,पांडेय सुधाकर , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली|
8. आचार्य रामचंद्र : रचना और दृष्टि , संपा. विवेकी राय तथा वेद प्रकाश , महेसाना, गिरनार |
9. आचार्य रामचंद्र:संदर्भ और दृष्टि, जगदीश नारायण पंकज ,भवदीय प्रकाशन ,अयोध्या |
10. आचार्य रामचंद्र शुक्ल: निबंधकार , आलोचक और रस मीमांसक , जयनाथ नलिन ,साहित्य संस्थान, दिल्ली |
11. आचार्य रामचंद्र शुक्लऔर उनका साहित्य, जयचंद्र राय, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली|
12. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और चिंतामणि का आलोचानात्मक अध्ययन , राजनाथ शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर , आगरा |
13. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का गद्य साहित्य, अशोक सिंह , लोकभारती, इलाहाबाद |

Annexure F

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
Of
One Year Vaaksetu PG Diploma in Translation
(English-Hindi-English)

एक वर्षीय वाकसेतु स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी-हिन्दी-अंग्रेजी)

पाठ्यक्रम

Session: 2021-22

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

एक वर्षीय वाकसेतु स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी-हिन्दी-अंग्रेजी)

पाठ्यक्रम

One Year Vaksetu Post Graduate Diploma In Translation

(Eng-Hindi-Eng)

Session 2021-22

अनुवाद के इस पाठ्यक्रम को यथा संभव व्यवहारमूलक तथा बहु दिशागामी अवसर प्रदान करने वाला बनाया गया है तथा कंप्यूटर और नवीनतम हाईटेक जानकारियो से भी जोड़ा गया है । वर्तमान युग की अनिवार्यताओं के चलते यह एक प्रासंगिक , उपयोगी एवं वर्तमान पीढ़ी को आत्म निर्भर बनाते हुए आत्म विश्वास का संकल्प प्रदान करने वाला आजीविका साधक पाठ्यक्रम है ।

Programme specific outcomes-

PSO-1: अनुवाद के विविध क्षेत्रों में रोज़गार के लिए प्रशिक्षण देना ।

PSO-2: सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के युग में अनुवाद की उपादेयता का बोध करवाना ।

PSO-3: अनुवाद प्रक्रिया का उपयोग सिखाना ।

PSO-4: भूमंडलीकरण के युग में अनुवाद की रचनात्मक भूमिका स्पष्ट करना ।

PSO-5: कार्यालयी अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना ।

PSO-6: बैंक, बीमा **,** संसद ,विधि, विज्ञापन तथा कंप्यूटर आदि विशिष्ट क्षेत्रों में अनुवाद का प्रशिक्षण देना ।

PSO-7: तत्काल भाषान्तरण संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करना ।

PSO-8: प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अनुवाद के स्वरूप तथा पत्रकारिता से परिचित करवाना ।

PSO-9: प्रयोजन मूलक हिन्दी, कोश विज्ञान तथा पारिभाषिक शब्दावली में दक्षता प्रदान करना ।

PSO-10: भाषा प्रौद्योगिकी के महत्त्व , उसकी उपादेयता तथा निरंतर बढ़ रही प्रासंगिकता को रेखांकित करना ।

PSO-11: अनुवाद के सैद्दांतिक ज्ञान के साथ साथ उसका विविध आयामों , अनुशासनों में व्यावहारिक बोध करवाना ।

PSO-12: हिंदीतर भारतीय क्षेत्रों में हिन्दी के प्रचार प्रसार को मौलिक तथा अनूदित रूप में गति प्रदान करना ।

Scheme of Studies and Examination

एक वर्षीय वाकसेतु स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी-हिन्दी-अंग्रेजी)

पाठ्यक्रम

One Year Vaksetu Post Graduate Diploma In Translation

(Eng-Hindi-Eng)

Session 2021-22

(One Year Diploma)				
Course Code	**Course Name**	**Course Type**	**Marks** **Total**	**Examination time (in Hours)**
PVTL-1261	अनुवाद का व्याकरण	C	100	3
PVTL-1262	भाषा और अनुवाद का समाजशास्त्र	C	100	3
PVTL-1263	जनसंचार माध्यम और अनुवाद	C	100	3
PVTL-1264	पारिभाषिक शब्दावली कोश विज्ञान और अनुवाद	C	100	3
PVTD-1265	अनुवाद का व्यवहारिक परिप्रेक्ष्य	C	100	3

PVTM-1266	**मूल्यांकन परियोजना : कार्य एवं सत्र परीक्षा**	**C**	**100 मूल्यांकन परि: कार्य-70 सत्र परीक्षा -30**	3
PVTL-1267	**अर्धवार्षिक परीक्षा एवं मौखिक परीक्षा**	**C**	**100 अ.वा.परीक्षा -50 मौखिक परीक्षा -50**	3
Total			**700**	

एक वर्षीय वाकसेतु स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी-हिन्दी-अंग्रेजी)

पाठ्यक्रम

One Year Vaksetu Post Graduate Diploma In Translation

(Eng-Hindi-Eng)

Session 2021-22

Course Outcomes

CO-1: विश्वविद्यालय ,केन्द्रीय विद्यालय में हिन्दी अनुवादक एवं हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्ति ।

CO-2: भारतीय राजदूतावास ,सूचना मंत्रालय , रेलवे ,बैंक, तथा अन्य सरकारी कार्यालयों में हिन्दी अधिकारी एवं अनुवादक के रूप में रोज़गार के अवसर ।

CO-3: बहुराष्ट्रीय कंपनियों में बतौर अनुवादक के रूप में नियुक्ति के लिए योग्य होंगें ।

CO-4: अनुवादक के रूप में स्वतंत्र रूप से कार्य करते हुए रोज़गार का विकल्प विद्यार्थी को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में सहायक होगा ।